सतना
10 अगस्त 2025 रविवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

शीर्ष डिफेंडरों और
@ पेज 7

झांसी में रेप के आरोपी ने वकील को मार डाला

बोला- खूब पैसे वसूले, लेकिन पैरवी नहीं की, इसलिए गला घोंट दिया

झांसी, एजेंसी। वकील साहब मेरे केस की पैरवी कर रहे थे। जिस लड़की के साथ मैंने साथ जीने-मरने की कसमें खाई थीं, जिससे मैं शादी करने वाला था, उसी से दुष्कर्म के आरोप में मुझे सजा होने वाली थी। वकील ने मुझसे खूब पैसे लिए। लेकिन पैरवी ठीक से नहीं की। इसीलिए मैंने उनकी हत्या कर दी। यह कबूलनामा है झांसी में गुरसराय के पूर्व चेयरमैन और पूर्व ADGC भान प्रकाश सिरवारिया की हत्या करने वाले आरोपी सचिन का। उस पर नाबालिग लड़की के साथ रेप का केस चल रहा था। भान प्रकाश झांसी कोर्ट में सचिन की पैरवी कर रहे थे।

इस मामले में 19 सितंबर को आरोपी को सजा होने वाली थी। इससे नाराज होकर उसने घर में घुसकर उनकी गला घोंटकर हत्या कर दी। 5 अगस्त को उनका शव घर में मिला। पुलिस पहुंची तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। SSP बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया- शुरुआती जांच में सामान्य मौत लग रही थी, लेकिन पोस्टमॉर्टम में गला घोंटने की बात सामने आई। इसके बाद जांच शुरू की गई। पड़ोसी और जान-पहचान वालों से पूछताछ में पता चला कि सचिन का दो दिन पहले उनसे झगड़ा हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट में एअर इंडिया सिक्योरिटी ऑडिट मांग वाली याचिका खारीज

बेंच ने पूछा- सिर्फ एअर इंडिया ही क्यों, अन्य एयरलाइनों की सुरक्षा का क्या होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एअर इंडिया की सुरक्षा और रखरखाव मानकों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इसमें याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने स्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाने और आईसीएओ (IOAO) से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से एअर इंडिया की फ्लीट का ऑडिट कराने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- सिर्फ एअर इंडिया ही क्यों? अन्य एयरलाइनों की सुरक्षा का क्या? एक दुखद हादसे के आधार पर किसी एक एयरलाइन को निशाना बनाना ठीक नहीं है और यह न लगे कि आप किसी निजी एयरलाइन के हित में हैं।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सलाह दी कि वह पहले डीजीसीए (DGCA) या केंद्र सरकार से संपर्क करें और यदि वहां से कोई समाधान न मिले, तभी कोर्ट का दरवाजा खटखटाएं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि हम भी हर हफ्ते यात्रा करते हैं और स्थिति जानते हैं। यह एक त्रासदी थी, बेहद दुर्भाग्यपूर्ण। यह किसी एयरलाइन की आलोचना करने का समय नहीं है। 12 जून को दोपहर 1.38 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट से लंदन के लिए उड़ान भरने वाला एयर इंडिया का विमान 171 (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर) मेघाणीनगर में आईजीपी कंपाउंड में क्रैश हो गया था। विमान में 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। हादसे में रमेश विश्वास नाम का एक व्यक्ति चमत्कारिक रूप से बच गया। इसके अलावा, डॉक्टर्स हॉस्टल अतुलयम, जहां विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था, के एक इंटर्न डॉक्टर, कर्मचारी और स्थानीय लोग मारे गए।

राहुल के रात्रिभोज में उद्धव को अंतिम पंक्ति में बैठाने पर बवाल; शरद पवार बोले- यह विवाद अनावश्यक

मुंबई, एजेंसी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के मुखिया उद्धव ठाकरे को लेकर छिड़े विवाद को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने इस विवाद को बुतुका और गैर-जरूरी बताया है। दरअसल, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास पर गुरुवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं के लिए एक डिनर पार्टी आयोजित की गई थी। इस दौरान उद्धव भी वहां मौजूद थे। तस्वीरों में उन्हें अंतिम पंक्ति में बैठा दिखाया गया। सोशल मीडिया पर यह तस्वीर वायरल हो गई। इसे लेकर सियासी घमासान छिड़ गया। कई लोगों ने इसे शिवसेना और महाराष्ट्र का अपमान बताया। इस पर शरद पवार ने कहा कि राहुल गांधी की ओर से आयोजित रात्रिभोज में उद्धव ठाकरे को अंतिम पंक्ति में बैठाने पर विवाद अनावश्यक है।

राहुल ने या आरोप लगाया था?

दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को एक संस्थागत चोरी बताया है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग गरीबों के मताधिकार को छीनने के लिए इस चोरी को अंजाम देने के लिए भाजपा के साथ खुलेआम मिलीभगत कर रहा है।

उद्धव मामले पर कही यह बात

वरिष्ठ नेता ने इस बात पर अफसोस जताया कि राहुल गांधी की ओर से आयोजित रात्रिभोज में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के बैठने का मुद्दा एक अनावश्यक विवाद बन गया है। उन्होंने कहा, एक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन था। जब हम स्क्रीन पर कोई फिल्म देखते हैं, तो हम आगे नहीं, बल्कि पीछे बैठते हैं। फारूक अब्दुल्ला और मैं पीछे बैठे थे। इसी तरह उद्धव ठाकरे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया भी प्रेजेंटेशन ठीक से देखने के लिए पीछे बैठे थे।

वोट चोरी पर या बोले?

शरद पवार ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वोट चोरी वाला आरोप अच्छी तरह से शोध और दस्तावेजों पर आधारित था। इस मामले की जांच करना चुनाव आयोग (ईसीआई) का काम है। नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शरद पवार ने स्वीकार किया कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को महाराष्ट्र में चुनाव से पहले अधिक सावधान रहना चाहिए था। उन्होंने कहा, हमें पहले ही इस पर गौर करना चाहिए था और सावधानी बरतनी चाहिए थी।

कुलगाम में 2 जवान शहीद:1 अगस्त से जारी ऑपरेशन अखल

कुलगाम,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गए। शुक्रवार को कुल चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। शनिवार सुबह यह जानकारी आई। ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। आज इसका नौवां दिन है। इसमें 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी। जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है।

2 अगस्त की सुबह मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो C-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे। उसके पास से AK-47 राइफल, मैगजीन और गोला-बारूद बरामद हुआ था। ऑपरेशन अखल को स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और CRPF अंजाम दे रहे हैं। जंगल में अभी और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। दोनों ओर से फायरिंग जारी है।

1 अगस्त: सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने फायरिंग की :एक अधिकारी ने बताया था कि इलाके में आतंकी गतिविधि की गुप्त सूचना मिलने के बाद 1 अगस्त की शाम में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू की थी। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई थी। जंगल में कुल कितने आतंकी छिपे हैं, इसका आंकड़ा साफ नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर: वायुसेना प्रमुख बोले-पाक के 5 जेट गिराए थे

दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाया, तबाह आतंकी ठिकानों की तस्वीरें सबके सामने

बेंगलुरु,एजेंसी। इंडियन एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ। हमने उनके पांच लड़ाकू विमान मार गिराए थे। एपी सिंह ने बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में इस बात की पुष्टि की। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा, हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया है। S-400 सिस्टम जिसे हमने हाल ही में खरीदा था, यह गेम-चेंजर रहा है। पाकिस्तान के पास लंबी दूरी के ग्लाइड बम थे लेकिन वे उनमें से किसी का भी इस्तेमाल नहीं कर पाए क्योंकि वे एयर डिफेंस को भेद नहीं सके। एपी सिंह ने आगे कहा पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें सबके सामने हैं। वहां कुछ नहीं बचा था। ये तस्वीरें न सिर्फ सैटेलाइट से ली गईं। बल्कि लोकल मीडिया ने भी तबाह हुई बिल्डिंग की अंदर की तस्वीरें दिखाई थीं। एपी सिंह बेंगलुरु के HAL मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सीजन को संबोधित कर रहे थे।

सेना को खुली छूट दी गई थी- सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। हमें खुली छूट थी। अगर कोई बाधाएं थीं, तो वे खुद की थीं। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच कोऑर्डिनेशन था। CDS के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एक साथ लाने के लिए मौजूद थे।

शाह के दौरे से 2026 के चुनावों के लिए भाजपा के राजनीतिक अभियान की होगी शुरुआत, बोले सीएम हिमंत सरमा

नई दिल्ली ,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 अगस्त को राज्य के दौरे पर आएंगे और अगले साल होने वाले असम विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा की ओर से राजनीतिक विमर्श तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने यह बात कही है। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि शाह के दौरे के 10 दिनों के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी राज्य का दौरा करने वाले है और भाजपा की असम इकाई दोनों यात्राओं की सफलता सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है। सरमा ने शुक्रवार को भाजपा के राज्य मुख्यालय में दो हाई-प्रोफाइल यात्राओं के लिए एक तैयारी बैठक में भाग लेने के बाद संवाददाताओं से कहा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 29 अगस्त को आएंगे और गुवाहाटी में नवनिर्मित राजभवन का उद्घाटन करेंगे। सरमा ने बताया कि दिन के दूसरे कार्यक्रम में शाह एनडीए के हाल ही में निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के सम्मेलन में शामिल होंगे। शाह शाम को राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा के जन्म शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहेंगे। असम के मुख्यमंत्री ने बताया किशाह का दौरा महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में चुनाव छह से सात महीने बाद होने वाले हैं। सरमा ने कहा, चुनावों से पहले अमित शाह जी का पंचायत प्रतिनिधियों को दिया जाने वाला भाषण महत्वपूर्ण होगा। उस दिन से राजनीतिक विमर्श निर्माण की प्रक्रिया निश्चित रूप से शुरू हो जाएगी। भाजपा और उसके सहयोगी दल अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों में राज्य में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश करेंगे।

पीएम मोदी ने रक्षाबंधन पर देशवासियों को दी बधाई भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल लोगों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ङ्ग पर लिखा, रक्षा बंधन के विशेष अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं।

अमित शाह ने भी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं: इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी भाई-बहन के बीच प्रेम और विश्वास के अटूट बंधन का प्रतीक रक्षा बंधन के पावन पर्व पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। शाह ने कहा, भाई-बहन के बीच प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के अटूट बंधन को समर्पित रक्षा बंधन के पावन पर्व पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि यह पर्व सभी के जीवन में आनंद और उत्साह का स्रोत बने।

भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक यह त्योहार हमारे भीतर रक्षा की भावना को और सुदृढ़ करे : इसी प्रकार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस अवसर पर शुभकामनाएं देते हुए पोस्ट किया, रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार केवल राखी के धागे की पवित्रता का ही नहीं, बल्कि हमारी बहनों के सम्मान, सुरक्षा और सुख-समृद्धि की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक यह त्योहार हमारे भीतर रक्षा की भावना को और सुदृढ़ करे, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।

भारत छोड़ो आंदोलन में शामिल लोगों को श्रद्धांजलि दी

इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ पर इसमें भाग लेने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनके साहस ने देशभक्ति की एक ऐसी चिंगारी जलाई, जिसने अनगिनत लोगों को आजादी की तलाश में एकजुट किया। उन्होंने कहा, हम उन सभी बहादुर लोगों को गहरी कृतज्ञता के साथ याद करते हैं, जिन्होंने बापू के प्रेरक नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। उनके साहस ने देशभक्ति की एक ऐसी चिंगारी जलाई, जिसने अनगिनत लोगों को आजादी की तलाश में एकजुट किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रह्माकुमारी दीदी और छोटी-छोटी बहनों से बंधवाई राखी

नई दिल्ली ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्यौहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश भी पोस्ट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान पीएम मोदी को ब्रह्माकुमारी दीदी ने राखी बांधी। इसके अलावा छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं।

इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने x पर लिखा, रक्षा बंधन के विशेष अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं। प्रधानमंत्री मोदी को बच्चियों के साथ हंसी ठिठोली करते देखा गया। वे उनके साथ बात करते, उन्हें दुलार करते नजर आए। पीएम मोदी ने उनके साथ दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं।

भागवत बोले-दुनिया अर्थव्यवस्था नहीं भारतीय अध्यात्म को महत्व देती है

- **इसलिए हम विश्वगुरु; इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा भी हो जाए तो आश्चर्य नहीं**

नागपुर,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को नागपुर में कहा- दुनिया भारत को उसके अध्यात्म (आध्यात्मिक ज्ञान) के लिए महत्व देती है। इसी वजह से हमें विश्वगुरु मानती है। दुनिया को इस बात से मतलब नहीं है कि हमारी अर्थव्यवस्था कितनी तेजी से बढ़ रही है। भागवत ने आगे कहा- भले ही हमारी इकोनॉमी 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाए, तब भी दुनिया को उसका आश्चर्य नहीं होगा। कई देश ऐसा कर चुके हैं। अमेरिका अमीर है, चीन भी अमीर बना है और कई अमीर देश हैं। कई चीजें हैं जो दूसरे देशों ने की हैं और हम भी करेंगे। RSS चीफ ने कहा कि दुनिया के पास अध्यात्म और धर्म नहीं है जो हमारे पास है। दुनिया हमारे यहां इसके लिए आती है। इसमें जब हम बड़े बनते हैं तो सारी दुनिया हमको नमस्कार करती है और विश्वगुरु मानती है। मोहन भागवत ने इकोनॉमी को लेकर ये बातें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारत पर 25प्रतिशत एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के ऐलान के 2 दिन बाद कही हैं। ट्रम्प ने टैरिफ से जुड़े एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए।

मोहन भागवत की 2 बड़ी बातें...

- **हम केवल त्योहार मनाने तक सीमित न रहें-** भारत की अध्यात्म में उन्नति तब होगी, जब हम केवल त्योहार मनाने या पूजा करने तक सीमित न रहें। हमारा जीवन भगवान शिव की तरह निडर हो। उन्होंने अपने गले में सांप धारण कर लिया था।
- **हमेशा अच्छाई बांटना चाहिए-** भारत की महानता अच्छाई सभी को बांटने में है। हमारे पास जो अच्छाईहै, उसे सभी के साथ साझा करना चाहिए। बुराई थोड़ी-बहुत होती है। उसे फैलाना नहीं चाहिए, बल्कि खुद में समेटकर खत्म करना चाहिए। अच्छाई को हमेशा बांटना चाहिए।

'40 फीट ऊंचे मलबे में जिंदगी की उमीद मुश्किल'

रास्ता अब भी बंद, पत्नी-बेटे को तलाश रहे विमल बोले- बस धराली पहुंचा दो

उत्तरकाशी,एजेंसी। 'पत्नी ने फोन पर घबराते हुए कहा- पहाड़ टूट गया है, धरती हिल रही है। हम जान बचाने के लिए जंगल की ओर भाग रहे हैं। 5 अगस्त को हुई इस बातचीत के बाद से अब तक पत्नी और बच्चे से कोई बात नहीं हुई। न ये पता चल रहा कि वो कहां है और उनके साथ क्या हुआ।' उत्तरकाशी के धराली में रहने वाले 50 साल के विमल कुमार सिंह आपदा के वक्त उत्तरकाशी गए थे। वो घर लौट पाते, उससे पहले धराली में आपदा आ गई। अब वे घर पर मौजूद पत्नी और 22 साल के बेटे की तलाश कर रहे हैं। न फोन लग रहा और न धराली तक पहुंचने का कोई रास्ता है। वो मातली के ITBP कैंप में रोज रेस्क्यू किए जा रहे लोगों की लिस्ट में अपनों के नाम तलाश रहे हैं।

धराली में आपदा को 5 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक रोड कनेक्टिविटी नहीं हो सकी है। लिहाजा हैवी मशीनें रेस्क्यू के लिए पहुंच नहीं पा रही हैं। यहां जमा मलबा करीब 40 फीट ऊंचा है। बिना हैवी मशीनों के इसे हटा पाना मुमकिन नहीं। इसीलिए रेस्क्यू रफ्तार नहीं पकड़ पा रहा है। NDRF के अफसर का मानना है कि अब यहां किसी के जिंदा होने की उम्मीद न के बराबर है।

पत्नी और बेटे की तलाश, ITBP कैंप में लिस्ट खंगाल रहे: उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से धराली की कुल दूरी 84 किमी है, लेकिन अब तक सिर्फ गंगनानी तक 50 किमी का रूट ही क्लियर हो सका है। गंगनानी का पुल पूरी तरह बह चुका है। इसे बनाने का काम चल रहा है, लेकिन वो अभी पूरा नहीं हो सका है। लिहाजा मातली के ITBP कैंप से हेलिकॉप्टर के जरिए पूरा रेस्क्यू रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।

अपने लापता परिजन की तलाश करते हुए कई परिवार ITBP कैंप पहुंच रहे हैं। बीतते वक्त के साथ अपनों को खोने का डर बढ़ता जा रहा है। लोग रोज रेस्क्यू किए जाने वाले लोगों की लिस्ट खंगाल रहे हैं। धराली के रहने वाले विमल कुमार सिंह उन्हीं में से एक हैं।

विमल को पत्नी पूनम (45 साल) और बेटे अनीस से ही आपदा की खबर मिली। बस उस वक्त की बातचीत के बाद पत्नी और बच्चे से अब तक उनकी बात ही नहीं हो सकी है। न ही ये पता चल पा रहा है कि वो कहां-किस हाल में हैं।अब विमल हर रोज ITBP कैंप आते हैं और रेस्क्यू किए गए लोगों की लिस्ट में उनका नाम तलाशते हैं। पुलिस के लोग उन्हें ढांढस बंधाते हैं कि चिंता मत करो, वो जल्दी मिल जाएंगे। धराली और हर्शिल में बिजली आ गई, मोबाइल नेटवर्क भी ठीक हो गया, लेकिन अब तक पत्नी से बात न हो पाना विमल की चिंता बढ़ा रहा है।

मुझे धराली पहुंचा दो, पत्नी-बेटे को मैं खुद ढूंढ लूंगा: विमल किसी भी तरह धराली पहुंचना चाहते हैं, ताकि पत्नी और बच्चे की तलाश कर सकें। वे कैंप में ही झल्लाते हुए कहते हैं, 'बस मुझे धराली पहुंचा दीजिए, मैं अपने परिवार वालों को तलाश लूंगा। अपने हाथ से खुदाई करके उनको निकाल लाऊंगा। बस मुझे धराली ले चलो।' वे आगे कहते हैं, 'हमें कम से कम कोई ये तो बताए कि वो सेफ हैं या नहीं। क्या पता वो कहीं जंगल में फंसे हों और उनके पास खाने-रहने की जगह भी न हो।'

स्वतंत्रता दिवस आयोजन, ट्रंप का टैरिफ और गुरुग्राम का ड्रोन लब समारोह के लिए खतरा; एजेंसियां अलर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ और गुरुग्राम स्थित ड्रोन क्लब 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए बड़ा खतरा हैं। अगर भारत सरकार ने टैरिफ स्वीकार कर लिया तो संयुक्त किसान मोर्चा बड़ा आंदोलन कर समारोह में खलल डाल सकता है।

साथ ही गुरुग्राम स्थित ड्रोन क्लब से भी कोर्डिनेशन कर लोगों से आग्रह करने का कहा गया है कि 15 अगस्त तक ड्रोन न उड़ाए। इससे अफवाह फैल सकती है। खुफिया एजेंसियों ने दिल्ली पुलिस व अन्य राज्यों के पुलिस अधिकारियों की दिल्ली में शुक्रवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में ये इनपुट दिए। खुफिया विभाग ने इनपुट दिए है कि गुरुग्राम स्थित ड्रोन क्लब से कोर्डिनेशन किया जाए और ये सुनिश्चित किया जाए कि लोग ड्रोन न उड़ाए। ड्रोन के उड़ाने से अफवाह फैल सकती है। साथ ही समारोह की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकता है। सुरक्षा एजेंसियों से कहा कि वह क्लब के साथ बैठक कर ये सुनिश्चित करें कि कोई भी ड्रोन ऑपरेट न करे।

साथ ही 15 अगस्त वाले दिन चेहल्लुम जुलूस भी निकाला गया जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों के आग्रह पर ये जुलूस अब 14 अगस्त को निकाला जाएगा। ऐसे में इस जुलूस को गंभीरता से लेने के लिए कहा गया है। शरारती तत्व जुलूस में घुसकर किसी तरह की बड़ी शरारत कर सकते हैं। ये भी इनपुट दिए है कि दूसरे देश से लोग आकर मरकज व गुरुद्वारे में रुकते हैं। यह लोग भी खतरा बन सकते हैं।

मणिपुर व पश्चिमी बंगाल के लोग कर सकते हैं हुड़दंग : खुफिया विभाग ने कहा कि मणिपुर व पश्चिमी बंगाल के लोग भी हुड़दंग मचा सकते हैं। दिल्ली पुलिस ने बांग्लादेशियों को डिपोर्ट किया गया है। इनमें कुछ लोग अपने आप को पश्चिमी बंगाल का मानते हैं। मणिपुर हिंसा को लेकर भी हुडदंग हो सकता है। इसके लिए विशेष सर्तकता बरतने को कहा है।

गाजा पट्टी को लेकर भी विरोध हो सकता है :सुरक्षा एजेंसियों ने कहा कि इस्त्राइल ने गाजा पट्टी को अपने अधिकार में लेने की बात कही है। ऐसे में मुस्लिम समुदाय के लोग इसका विरोध करते हुए हुडदंग कर सकते हैं।

एसएफजे भी माहौल को बिगाड़ सकता है : दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उच्च स्तरीय बैठक में सिख फॉर जस्टिस(एसएफजे) भी माहौल को खराब कर सकता है। एसएफजे पहले भी ऐसा कर चुका है। खालिस्तानी आतंकी ये संगठन राष्ट्रीय राजधानी में देश विरोधी नारे, नारे लिखकर वीडियो बनाने या फिर किसी भी दीवार व ऐतिहासिक स्थल पर चित्र बनाकर माहौल को खराब कर सकते हैं। जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनके स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन है। इसलिए, उन्हें नियमित जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। लेकिन हाईकोर्ट ने यूसुफ के वकील की दलीलें खारिज कर दीं।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली, एजेंसी। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा।

अगस्ता वेस्टलैंड केस- आरोपी क्रिश्चियन मिशेल जेम्स को कोर्ट से लगा झटका, रिहाई की मांग वाली याचिका खारिज

दिल्ली,एजेंसी। राउज एवेन्यू कोर्ट ने अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल जेम्स की रिहाई की याचिका खारिज कर दी है। उसने तर्क दिया था कि वह कथित अपराधों के लिए अधिकतम सात साल की सजा काट चुका है। विशेष न्यायाधीश संजय जिंदल ने अपने आदेश में कहा कि आईपीसी की धारा 467 (मूल्यवान प्रतिभूति, वसीयत आदि की जालसाजी) के तहत आरोपों पर विचार करते हुए, जिसमें आजीवन कारावास का प्रावधान है, यह नहीं कहा जा सकता कि आरोपी कथित अपराधों के लिए निर्धारित अधिकतम सजा की अवधि पहले ही काट चुका है। न्यायाधीश ने कहा कि जेम्स के खिलाफ आईपीसी की धारा 467 बनती है या नहीं, इसका निर्णय आरोप तय करने के चरण में किया जाएगा। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आरोपी की यह दलील कि वह सीआरपीसी की धारा 436ए के तहत लाभ पाने का हकदार है, स्वीकार नहीं की जा सकती।

त्योहारों में रेलवे की नई पहल, राउंड ट्रिप पैकेज पर मिलेगी छूट; भीड़ से राहत मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी । भारतीय रेलवे ने आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने और उन्हें यात्रा में सुविधा देने के उद्देश्य से एक नई प्रायोगिक योजना की घोषणा की है। इस योजना का नाम राउंड ट्रिप पैकेज फॉर फेस्टिवल रश रखा गया है, जिसमें आने-जाने की यात्रा एक साथ बुक करने पर रिटर्न टिकट के बेस फेयर पर 20 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह योजना 14 अगस्त से लागू होगी।

रेलवे बोर्ड द्वारा 8 अगस्त को जारी वाणिज्यिक परिपत्र के अनुसार इस योजना का लाभ उन्हीं यात्रियों को मिलेगा जो अपनी आवागमन दोनों यात्राएं एक साथ बुक करेंगे और दोनों टिकटों में यात्री विवरण समान होगा। छूट केवल उन्हीं टिकटों पर मिलेगी जो पूरी तरह से कन्फर्म हों, यानी प्रतीक्षा सूची वाले टिकट इसमें शामिल नहीं होंगे। जाने की यात्रा के लिए टिकट 13 से 26 अक्टूबर के बीच और वापसी की यात्रा के लिए 17 नवम्बर से 1 दिसम्बर के बीच किसी भी तारीख हो सकती है। खास बात यह है कि वापसी यात्रा की टिकट बुकिंग के लिए एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (एआरपी) की बाध्यता नहीं होगी, जिससे यात्रियों को सुविधा होगी।

रेलवे ने यह स्पष्ट किया है कि इस योजना के अंतर्गत बुक की गई टिकटों में कोई रद्दीकरण, संशोधन या रिफंड नहीं किया जाएगा। टिकट में कोई रियायत, पास, पीटीओ या वाउचर का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा और न ही किसी प्रकार का बदलाव स्वीकार किया जाएगा। इस योजना का लाभ सभी क्लास और ट्रेनों में मिलेगा, सिवाय फ्लेक्सी फेयर वाली ट्रेनों के। टिकट की बुकिंग के लिए यह भी शर्त रखी गई है कि दोनों यात्राएं एक ही माध्यम से बुक की जाएं, यानी या तो पूरी बुकिंग ऑनलाइन की जाए या फिर पूरी बुकिंग रेलवे रिज़र्वेशन काउंटर से की जाए।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवेज़ को निर्देशित किया है कि इस योजना का अधिकतम प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक यात्री इसका लाभ ले सकें। इसके लिए स्टेशनों पर घोषणाएं, मीडिया और अन्य माध्यमों से जानकारी साझा की जाएगी। साथ ही रेलवे की सूचना प्रणाली (क्रिस) और आईआरसीटीसी को आवश्यक तकनीकी बदलाव करने के निर्देश भी दे दिए गए हैं।

हिजबुल प्रमुख सल्लाउद्दीन के बेटे की जमानत याचिका खारिज, हाईकोर्ट ने बताया राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा

दिल्ली ,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को हिजबुल प्रमुख सैयद सल्लाउद्दीन के बेटे शाहिद यूसुफ की जमानत की अपील खारिज कर दी। हालांकि, उसके भाई को कोर्ट ने जमानत दे दी है। दोनों भाइयों ने टेरर फंडिंग मामले में जमानत देने से इनकार करने वाले निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी।

शाहिद यूसुफ की अपील खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि यह अदालत अभियोजन पक्ष द्वारा सामने लाई गई उस बड़ी साजिश को नजरअंदाज नहीं कर सकती जो राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरा है। यह मामला उस जांच से शुरू हुआ जब दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ को सूचना मिली कि पाकिस्तान से आने वाले धन को दिल्ली के रास्ते हवाला चैनलों के जरिए जम्मू-कश्मीर भेजा जा रहा है, जिसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी और अलगाववादी गतिविधियों को वित्तपोषित करना है। इस सूचना के आधार पर 2011 में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बाद में जांच एनआईए को सौंप दी गई। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शैलिंदर कौर की खंडपीठ ने शाहिद यूसुफ की अपील खारिज कर दी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने सैयद अहमद शकील की अपील स्वीकार कर ली है। उन्हें एक लाख रुपये के जमानत बांड और दो जमानत राशि जमा करने पर जमानत दी गई है।

शाहिद यूसुफ की जमानत याचिका पर विचार करते हुए अदालत ने कहा कि आरोपों की प्रकृति और रिकॉर्ड में रखी गई सामग्री से प्रथम दृष्ट्या याचिकाकर्ता की इस साजिश में संलिप्तता और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन के ज्ञात सदस्यों के साथ उसके सीधे संपर्क की पुष्टि होती है। न्यायालय ने फैसले में कहा कि उस पर आरोप है कि उसने सह-आरोपी ऐजाज अहमद भट उर्फ ऐजाज मकबूल भट से धन प्राप्त किया, यह जानते हुए कि धन का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए किया जाएगा। हालांकि शाहिद यूसुफ के वकील ने उनकी लंबी कैद पर जोर दिया और दलील दी कि वह सात साल चार महीने से हिरासत में हैं।

बिहार में मतदाता सूची के प्रारूप में 65 लाख नामों का अंतर

पटना/नई दिल्ली,एजेंसी। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) के दौरान प्रारूप मतदाता सूची में 65 लाख नामों का अंतर दर्ज किया गया है। चुनाव आयोग (श्वष्ठ्ठ) ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस अंतर की वजह स्पष्ट की। आयोग के अनुसार, कुल आठ करोड़ मतदाताओं के लिए नामांकन प्रपत्र वितरित और डाउनलोड किए गए थे, जिनमें से 7.24 करोड़ प्रपत्र ही बूथ लेवल अधिकारियों (ड्डरुह्र) द्वारा संग्रहित किए जा सके।

आयोग ने बताया कि शेष मतदाताओं के फॉर्म इसलिए नहीं मिले क्योंकि वे अन्य राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता बन गए थे, या अस्तित्व में नहीं पाए गए, या 25 जुलाई तक फॉर्म जमा नहीं किया, या किसी कारणवश मतदाता के रूप में पंजीकरण के इच्छुक नहीं थे।

आंकड़ों में स्पष्ट हुआ अंतर : चुनाव आयोग के मुताबिक, 65 लाख के इस अंतर में 22 लाख मृतक, 36 लाख स्थायी रूप से बिहार से बाहर चले गए या उपलब्ध नहीं हुए, जबकि शेष सात लाख ऐसे थे जिनके नाम कई स्थानों पर दर्ज थे। आयोग का कहना है कि स्ढ्ढक्रका उद्देश्य है कि कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं और कोई भी अपात्र मतदाता सूची में शामिल न हो।

दावा और आपत्ति दर्ज कराने की अवधि जारी : आयोग ने बताया कि वास्तविक पात्र मतदाता एक अगस्त से एक सितंबर 2025 के बीच दावा और आपत्ति की अवधि में अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने प्रारूप मतदाता सूची को लेकर कोई दावा या आपत्ति दर्ज नहीं कराई है। हालांकि एक अगस्त को प्रारूप सूची प्रकाशित होने के बाद से अब तक आयोग को मतदाताओं से सीधे 6,257 दावे और आपत्तियां मिली हैं।

'कोई पात्र मतदाता नहीं छूटेगा' : चुनाव आयोग ने एक बार फिर दोहराया है कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची में किसी भी पात्र मतदाता को बाहर नहीं रखा जाएगा और किसी भी अपात्र नाम को शामिल नहीं किया जाएगा। आयोग ने दावा किया कि दैनिक आधार पर वितरित, संग्रहित और डिजिटाइज किए गए प्रपत्रों का डेटा और ग्राफ सार्वजनिक किया जा रहा है, जिससे प्रक्रिया की पारदर्शिता बनी रहे।

बलूचिस्तान में तैनात पाकिस्तान फ्रंटियर कोर के दो जवानों की हत्या, बीएलएफ के सेकंड लेफ्टिनेंट की भी जान गई

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मारवत जिले में पिछले दिनों अज्ञात बंदूकधारियों ने बलूचिस्तान में तैनात फ्रंटियर कोर (एफसी) के दो जवानों की हत्या कर दी। इसके अलावा, बलूचिस्तान प्रांत में स्वतंत्रता के लिए संघर्षरत बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के सेकंड लेफ्टिनेंट जब्बार उर्फ असद की एक संघर्ष में जान चली गई। द बलूचिस्तान पोस्ट की उर्दू सेवा की खबर में पुलिस के हवाले से कहा गया कि लक्की मारवत जिले में बलूचिस्तान में तैनात एक एफसी जवान की अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह जवान छुट्टी पर अपने गृह क्षेत्र गया हुआ था। यह घटना उस समय हुई जब वह अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर किसी काम से जा रहा था। इस हमले में जवान की मौत हो गई और पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उसकी भी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, इसके अलावा बलूचिस्तान में तैनात जवान अताउल्लाह लकी की मारवात शहर में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। अताउल्लाह अपने पैतृक क्षेत्र में छुट्टियां मना रहा था। अभी तक किसी भी समूह ने इन दोनों घटनाओं की जिम्मेदारी नहीं ली है। उधर, बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) को एक संघर्ष में गहरा धक्का लगा है। बीएलएफ प्रवक्ता मेजर गौरम बलूच ने विज्ञप्ति में जानकारी दी है कि छह अगस्त को लड़ाकों ने टैम्प में संघीय सरकार पोषित डेथ स्क्वायड (मौत का दस्ता) पर हमला किया। इस हमले में दस्ते का एक जवान घायल हो गया पर इस लड़ाई में बीएलएफ के सरमाचार सेकंड लेफ्टिनेंट जब्बार बलूच उर्फ असद की जान चली गई। गौरम ने कहा कि असद का मातृभूमि के लिए बलिदान लड़ाकों को और ऊर्जा प्रदान करेगा। जब्बार 2020 में बलूच नेशनल लिबरेशन मूवमेंट में शामिल हुए थे। जब्बार केच के तांप क्षेत्र के रहने वाले थे। प्रवक्ता ने कहा कि जब्बार जाएगा।

यूक्रेन मुद्दे पर 15 अगस्त को ट्रंप-पुतिन की बैठक, रूसी राष्ट्रपति ने जिनपिंग और मोदी से की बातचीत

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के लिए यूक्रेन में युद्धविराम समझौते पर सहमत होने के लिए 8 अगस्त की समय सीमा निर्धारित की थी, जो शुक्रवार को बिना किसी औपचारिक घोषणा के खत्म हो गई लेकिन ठीक इसी दिन ट्रंप ने पुतिन के साथ अपनी बैठक की घोषणा की।ट्रंप ने कहा है कि उनकी रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ 15 अगस्त को अलास्का में बैठक होगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इसकी जानकारी दी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा कि वे जल्द ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिलेंगे जिसमें यूक्रेन-रूस दोनों के हितों में कुछ क्षेत्रों की अदला-बदली को लेकर बातचीत होगी। रूस ने भी यूक्रेन मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ होने वाली इस बैठक की पुष्टि की है। रूसी राष्ट्रपति के सहायक यूरी उशाकोव ने कहा कि दोनों देशों के नेताओं के बीच महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन अलास्का में आयोजित होगा। दी मॉस्को टाइम्स के मुताबिक राष्ट्रपति पुतिन ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ शिखर सम्मेलन से पहले शुक्रवार को चीन और भारत के नेताओं के साथ विचार-विमर्श किया। पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ इस मुद्दे पर बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी तक अतिरिक्त शुल्क की घोषणा की। बातचीत में भारत-रूस द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के साथ प्रधानमंत्री ने शांति के प्रति भारत की नीति को दोहराया।

पुतिन के साथ हुई इस बातचीत के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर लिखा कि अपने मित्र पुतिन के साथ यूक्रेन के ताजा घटनाक्रम पर बहुत अच्छी और विस्तार से बातचीत की। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति की समीक्षा की और अपनी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की पुष्टि की। उन्होंने उन खबरों की पुष्टि भी की जिसमें कहा गया था कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन अगले साल भारत का दौरा करेंगे। पुतिन ने इस मुद्दे पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को हाल ही में रूस का दौरा करने वाले अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के साथ हुई बातचीत से अवगत कराया। क्रेमलिन के मुताबिक जिनपिंग ने रूस-यूक्रेन संघर्ष के दीर्घकालिक समाधान के लिए समर्थन व्यक्त किया। हालांकि ट्रंप और पुतिन की बातचीत के नतीजे पर यूक्रेन सहित दुनिया भर की निगाहें लगी हैं। क्षेत्रों की अदला-बदली के लिए रूस के राष्ट्रपति पुतिन कहां तक राजी होते हैं।

दिल्ली में ट्रिपल मर्डर: करावल नगर में पति ने किया पत्नी और दो बेटियों का कत्ल, वारदात के बाद आरोपी फरार

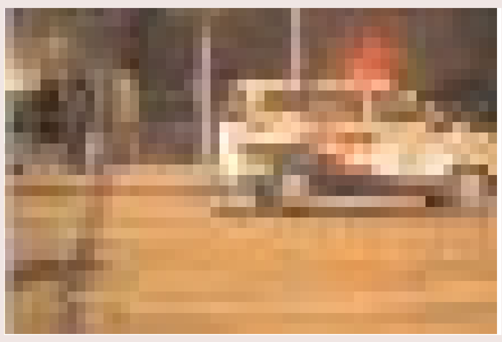

नई दिल्ली,एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली तीन हत्याओं से दहल उठी। एक शख्स ने अपनी पत्नी और दो बेटियों को मार डाला। रक्षाबंधन के दिन हुई सनसनीखेज वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के करावल नगर इलाके में प्रदीप नाम के एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और पांच और सात साल की दो बेटियों की हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर आरोपी फरार है।पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

ट्रंप ने भारत को रूस व चीन से दूर रखने की अमेरिकी कोशिशों को खतरे में डाला, पूर्व सहयोगी का आरोप

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सहयोगी जॉन बोल्टन ने भारत के साथ टैरिफ प्रकरण पर सरकार को घेरा है। ट्रंप के पूर्व सहयोगी ने कहा है कि अमेरिका ने भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों पहले से चले आ रहे प्रयासों को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए भारी शुल्कों पर बात करते हुए यह बात कही। पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने भारत की तुलना में चीन के प्रति ट्रंप के पूर्वाग्रह की भी आलोचना की और कहा कि यह एक बहुत बड़ी भूल हो साबित सकती है। ट्रंप ने अप्रैल में चीन के साथ एक संक्षिप्त व्यापार युद्ध छेड़ा था, लेकिन उसके बाद से उन्होंने इसे और आगे नहीं बढ़ाया है। दूसरी तरह उन्होंने भारत पर 50त्न से अधिक टैरिफ लगाया है। इसमें यूक्रेन से चल रहे तनाव के बीच रूस को वित्तपोषित करने के लिए लगाया गया 25प्रतिशत अतरिक्त टैरिफ भी शामिल है। बोल्टन ने कहा कि टैरिफ के कारण अमेरिका को सबसे खराब परिणाम भुगतने पड़े, क्योंकि भारत ने अपेक्षा के विपरीत बहुत नकारात्मक प्रतिक्रिया दी, क्योंकि उसने देखा कि चीन पर टैरिफ नहीं लगाया जा रहा है।सीएनएन से बात करते हुए बोल्टन ने टैरिफ प्रकरण को विडंबनापूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि रूस को नुकसान पहुंचाने के इरादे से भारत पर लगाए जाने वाले प्रस्तावित जुर्माना भारत को रूस और चीन के करीब ला सकता है, और शायद उन्हें अमेरिका के खिलाफ मिलकर बातचीत करने पर मजबूर कर सकता है। राष्ट्रपति के पूर्व सहयोगी ने जोर देकर कहा, चीन के प्रति ट्रंप की नरमी और भारत पर भारी शुल्क, भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों से चले आ रहे अमेरिकी प्रयासों को खतरे में डाल रहा है। द हिल के लिए लिखे एक लेख में पक्षपातपूर्ण टैरिफ की ओर इशारा करते हुए, बोल्टन ने पहले कहा था कि बीजिंग के प्रति ट्रंप की नरमी को राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सौदे में अमेरिका के रणनीतिक हितों की बलि चढ़ाने के रूप में देखा जा सकता है। उनके लेख में लिखा था, ऐसा लगता है कि व्हाइट हाउस टैरिफ दरों और अन्य मानकों के मामले में बीजिंग के साथ नई दिल्ली की तुलना में ज़्यादा नरमी बरतने की ओर बढ़ रहा है। अगर ऐसा है, तो यह एक बहुत बड़ी भूल होगी। ट्रंप का अतिरिक्त टैरिफ अब तक भारत को रूस से तेल खरीदना बंद करने के लिए राजी करने में नाकाम रहा है। इसके उलट, भारत ने अपने तेल आयात का बचाव किया है और टैरिफ को अनुचित और गलत बताया है। वहीं, रूस ने ट्रंप की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात से एक हफ्ते पहले नई दिल्ली का समर्थन किया है और अमेरिका पर भारत पर अवैध व्यापारिक दबाव डालने का आरोप लगाया है। बोल्टन ने कहा कि एजेंडे को आगे बढ़ाने का अवसर देगी, और वह भारत पर टैरिफ को लेकर भी बड़ा खेल खेल सकते हैं।

लूटपाट के मामले में पांच नाबालिग आरोपितों को पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में उत्तर पश्चिमी जिले के महेन्द्रा पार्क थाना पुलिस ने लूटपाट के मामले में शामिल पांच नाबालिग आरोपितों को पकड़ा है। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन सेट और वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है।उत्तर पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) भीष्म सिंह ने बताया कि आदर्श नगर निवासी शिकायतकर्ता जाकिर अली ने की ओर से दी गयी शिकायत में यह बताया गया था कि पांच अगस्त की रात करीब 9 बजे जब वह आज़ादपुर सब्ज़ी मंडी की ओर जा रहे थे, तभी पांच लड़के पीछे से आए और उनका मोबाइल फोन मांगा। जब उन्होंने इंकार किया, तो दो लड़कों ने उन्हें पकड़ लिया और तीसरे ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान चौथे लड़के ने उनकी जेब से मोबाइल निकाल लिया और सभी मौके से फरार हो गए।

167 बहनों ने कैदी भाइयों को राखी बांधी, एक बार में सात-सात लोगों को मिलने की थी परमिशन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के पड़रा स्थित उपजेल में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। शनिवार को सुबह से ही जेल परिसर में बहनों की भीड़ देखने को मिली। 167 बहनें अपने कैदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधने पहुंचीं। जेल प्रशासन ने इस अवसर पर विशेष इंतजाम किए थे। जेलर कृष्णकुमार तिवारी के निर्देशन में सभी बहनों को हॉल में बैठाया गया। क्रमवार तरीके से राखी बांधने की व्यवस्था की गई। एक बार में सात-सात बहनों को ही कैदियों से मिलने की अनुमति दी गई। इससे सुरक्षा और व्यवस्था बनी रही।

जेल कैंटीन में मिठाई का इंतजाम किया गया: त्योहार के माहौल को खुशनुमा बनाने के लिए जेल कैंटीन से विशेष व्यवस्था की गई। केला, समोसा और मिठाई का इंतजाम किया गया। इन सभी सामग्रियों को पहले जेल प्रशासन ने जांचा। फिर बहनों को अंदर ले जाने की अनुमति दी गई। बाहरी सामग्री लाने पर पूरी तरह प्रतिबंध था। इससे सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई। जेलर कृष्णकुमार तिवारी ने बताया, रक्षाबंधन के पर्व को लेकर हमने पार्किंग से लेकर अंदर तक सभी इंतजामों पर खुद नजर रखी। सभी आने-जाने वालों की पूरी जांच की गई। बहनों के बैठने और राखी बांधने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से किया गया। इससे भीड़ नहीं हुई। यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते में विश्वास और प्रेम का प्रतीक है। जेल में भी कैदियों को यह महसूस कराना जरूरी है कि वे समाज का हिस्सा हैं। इस अवसर पर कई कैदियों की आंखें नम हो गईं। उनकी बहनों ने राखी बांधते हुए उनके अच्छे भविष्य की कामना की।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आदिवासी बहनों से बंधवाई राखी: सीधी जिले में कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह ने भी रक्षाबंधन मनाया। वे खैरा में आदिवासियों के बीच पहुंचे। आदिवासी बहनों के साथ राखी बंधवाई और उन्हें रक्षा का आशीर्वाद दिया। ज्ञान सिंह ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वे हमेशा बहनों के साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने 32 माताओं और बहनों से राखी बंधवाई।

जिले में डिजिटल शिक्षा का नया अध्याय- 46 नए आईसीटी लैब, 29 स्मार्ट क्लास, 6 डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गत एक वर्ष में समग्र शिक्षा सेकेंडरी एजुकेशन के अंतर्गत सीधी जिले ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इस अवधि में 46 विद्यालयों में नए आईसीटी लैब, 29 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास और 6 पीएम श्री स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की गई। इस प्रकार अब सीधी जिले के 147 विद्यालय आईसीटी लैब से और 74 विद्यालय स्मार्ट क्लास से सुसज्जित हैं। यह उपलब्धियां हमारे विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा, आधुनिक संसाधन और गुणवत्तापूर्ण सीखने का अवसर प्रदान कर रही है और यह परिवर्तन शिक्षा के नए युग की ओर सशक्त कदम है।

परीक्षा परिणाम: शिक्षा में सीधी का परचम: सीधी जिले के लिए यह वर्ष उपलब्धियों से भरा रहा है। हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में जिले का परिणाम 81.21 प्रतिशत रहा और सीधी प्रदेश में 16वें स्थान पर रहा, कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 84.05 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए और सीधी ने प्रदेश में 5वां स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय शैक्षिक सर्वेक्षण 'परख' में सीधी जिले ने कक्षा 3, 6 और 9कृतीनों में राज्य में प्रथम स्थान और देश के टॉप 10 में स्थान पाकर गर्व बढ़ाया है। राष्ट्रीय मींस कम मेरिट परीक्षा 2024 में 155 विद्यार्थियों का चयन हुआ, जिससे हम राज्य में 13वें स्थान पर रहे। मध्य प्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता में नामांकन की दृष्टि से सीधी 9वें स्थान पर रहा। डॉ सुजीत मिश्र एपीसी रमसा ने जानकारी देकर बताया कि यह विशिष्ट उपलब्धियां कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी के कुशल निर्देशन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अंशुमन राज के मार्गदर्शन और जिला शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में शिक्षकों और प्राचार्यो के कठिन परिश्रम से प्राप्त हुई है। यह हमारी शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता और समर्पण का प्रमाण है।

सोती महिला को सांप ने डसा, इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के ग्राम खजूरिहा, थाना मड़वास में शनिवार सुबह दुखद घटना हुई। गांव में 26 साल की पूजा कुशवाहा घर में खाट पर सो रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 5 बजे जहरीला सांप खाट पर चढ़कर उसे डस लिया। गांव वालों के अनुसार, क्षेत्र में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश के कारण जहरीले जीव-जंतु अब सूखे और सुरक्षित स्थान की तलाश में घरों की ओर आ रहे हैं।

घटना के बाद परिजनों ने तुरंत पूजा को मड़वास अस्पताल पहुंचाया। वहां से हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल सीधी रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल सीधी में पदस्थ चिकित्सक डॉ. बृजेश पांडे ने बताया कि जब महिला को अस्पताल लाया गया, तब तक उसके शरीर में जहर काफी हद तक फैल चुका था।

डॉक्टरों ने उसे बचाने की पूरी कोशिश की। लेकिन इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। घटना के बाद महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी हाउस भेजा गया है। पूजा के पिता का नाम भैया लाल कुशवाहा है।

रक्षाबंधन पर लोगों ने खतरे में डाली अपनी जान

बाढ़ में डूबे पुल को पार कर बढ़उरा शिव मंदिर पहुंचे, टीआई बोले- हमें जानकारी नहीं

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। बढ़उरा शिव मंदिर तक जाने वाली बेहड़ा नदी पर बने पुल पर शनिवार को पानी बहने लगा है। रक्षाबंधन के दिन इस पुल से होकर सैकड़ों श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे हैं। पुल पर घुटनों तक पानी बहने के कारण लोग जान जोखिम में डालकर इसे पार कर रहे हैं। सुबह से ही बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग श्रद्धालु पानी में संघर्ष करते हुए मंदिर की ओर जा रहे हैं। अचानक नदी में पानी का स्तर बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। स्थानीय निवासी ज्ञानेंद्र गोस्वामी ने बताया कि अगर बारिश दो घंटे और होती है तो पास की दुकानों में भी पानी भर सकता है।

बरसात के दिनों में अक्सर पानी मंदिर के मुहाने तक पहुंच जाता है। इससे लोगों को भारी परेशानी होती है। हाल ही में आई बाढ़ में कई दुकानें टूटकर बिखर गई थीं। थाना प्रभारी सेमरिया केदार परौहा ने कहा कि उन्हें इस स्थिति की जानकारी नहीं थी। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लेंगे। लोगों की आवाजाही रोकने के निर्देश देंगे ताकि कोई दुर्घटना न हो।

गांव के लोग चिंतित हैं कि त्योहार के दिन भारी भीड़ और पुल पर तेज बहाव के चलते कोई बड़ा हादसा हो सकता है। श्रद्धालु धार्मिक आस्था में डूबे होने के बावजूद पानी के तेज बहाव को नजरअंदाज कर रहे हैं। प्रशासन की ओर से अभी तक मौके पर कोई अधिकारी या कर्मचारी नहीं पहुंचा है। बरसात और नदी के उफान के बीच श्रद्धालुओं की यह जोखिमभरी यात्रा प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है। अगर हालात पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो रक्षाबंधन के अवसर पर किसी अनहोनी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

जापानी ईवी निर्माता टेरा मोटर्स ने एमपी में की एंट्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जापान की इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनी टेरा मोटर्स ने मध्य प्रदेश में अपने पहले एल5 हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक ऑटो की डीलरशिप के साथ प्रवेश किया है। यह कदम कंपनी की रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह राज्य में बढ़ती ईवी स्वीकार्यता का लाभ उठाकर भारत के टॉप 5 थ्री-व्हीलर बाजारों में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

टेरा मोटर्स पिछले एक दशक से भारत के इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर ई-रिक्शा क्षेत्र में सक्रिय है। कंपनी को मध्य प्रदेश में अच्छे व्यापारिक अवसर दिख रहे हैं, खासकर मजबूत डीलर इंटरेस्ट और प्रतिस्पर्धी प्रोडक्ट ऑफरिंग्स के कारण। हाल ही के महीनों में, कई प्रमुख ईवी डीलर्स ने अन्य ओईएम कंपनियों को छोड़कर टेरा मोटर्स से जुड़ने का निर्णय लिया है। इसके पीछे कंपनी की किफायती कीमतें, जापानी ब्रांड पर विश्वास और सशक्त सपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर मुख्य कारण रहे हैं इंदौर में नियुक्त किया गया नया डीलर - जो पहले एक अग्रणी ओईएम का टॉप-सेलिंग पार्टनर था - उसने टेरा से जुड़ने का निर्णय लिया, क्योंकि कंपनी किफायती कीमतों, टेरा फाइनेंस के ज़रिए इन-हाउस फाइनेंसिंग, और जापानी ब्रांड पर विश्वास जैसी सुविधाएं दे रही है।

टेरा मोटर्स पहले ही उत्तर प्रदेश में कई प्रमुख थ्री-व्हीलर डीलर्स के साथ साझेदारी कर चुकी है और मध्य प्रदेश में भी इसी रणनीति को अपनाने की योजना बना रही है। ऑन-रोड कीमत रुपये 3.74 लाख से शुरू होकर और एक बार चार्ज करने पर 200 किलोमीटर तक की रेंज के साथ, कंपनी का लक्ष्य है कि हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को चालकों और डीलरों दोनों के लिए सुलभ और लाभदायक बनाया जाए।

बाइक से बचाने के प्रयास में पलटी बस

भाईयों को राखी बांधने जा रही बहनें घायल, 6 की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। जिले में शनिवार दोपहर यात्रियों से भरी बस पलट गई। बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। इनमें 20 के करीब महिलाएं थीं। ये अपने भाईयों को राखी बांधने जा रही थीं। छह महिलाओं की हालत गंभीर है। हादसा जिले के चचाई थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चिल्हारी में हुआ। जानकारी के अनुसार, यात्रियों से भरी बस (नंबर सीजी 15 एबी 0499) शहडोल जिले के बुढार से अनूपपुर की ओर जा रही थी। चिल्हारी गांव के पंचायत भवन के पास बाइक सवार को बचाने के प्रयास में बस पलट गई।

गांव के अंदर से जा रही थी बस: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस चालक चकेठी, चिल्हारी और मेड़िया रास्ते से होकर अनूपपुर पहुंचाने के लिए गांव के अंदरूनी रास्ते से बस ले जा रहा था। इस दौरान अचानक सामने से एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल आई। टक्कर से बचने के लिए चालक ने बस को अचानक मोड़ा। इससे बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क किनारे पलट गई। बस पलटते ही घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई।

कई यात्री बस के अंदर फंसे रह गए। हादसा गांव के अंदर होने के कारण स्थानीय ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को बस से बाहर निकालने में मदद की। ग्रामीणों ने फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

पढ़ाई की जगह सफाई करवा रहा सरकारी स्कूल

छात्राएं बोलीं- हम रोज झाड़ू लगाते हैं; चपरासी नहीं करता काम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। विकासखंड रामपुर नैकिन के ग्राम पंचायत बघवार स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल में छात्राओं से पढ़ाई के बजाय सफाई करवाई जा रही है। यहां छात्राओं से पढ़ाई के बजाय झाड़ू लगवाया जा रहा है। शनिवार सुबह करीब 11 बजे पांच छात्राएं कक्षा और स्कूल परिसर की सफाई करती कैमरे में नजर आई। स्कूल में चपरासी पद पर कर्मचारी पदस्थ होने के बावजूद बच्चियों से यह काम करवाया जा रहा था।

स्कूल में चपरासी पद पर कर्मचारी तैनात होने के बावजूद बच्चियों से यह काम करवाया जा रहा था। जब एक छात्रा से इस बारे में पूछा गया तो उसने साफ कहा, हम लोग ही रोज झाड़ू लगाते हैं। मौके पर प्रधानाध्यापक कमलेश्वर साकेत और शिक्षक अशोक सिंह मौजूद थे। पहले तो प्रधानाध्यापक ने कुछ भी कहने से इनकार किया, फिर बोले- ऐसा कुछ नहीं है। जबकि वे खुद इस पूरे दृश्य के गवाह थे

निरीक्षण की बात कही गई: शिक्षा का अधिकार कानून के तहत बच्चों से इस प्रकार का श्रम करवाना न केवल गलत है बल्कि कानून का उल्लंघन भी है। इस मामले में संकुल प्रभारी अजय कुमार मिश्रा ने कहा, आपके माध्यम से मुझे जानकारी मिली है। मैं स्कूल का निरीक्षण कर उचित कार्यवाही करूंगा।

व्यवस्था पर बड़ा सवाल: यह मामला सिर्फ एक स्कूल तक सीमित नहीं हो सकता। यह तस्वीर उन सरकारी स्कूलों की हकीकत दिखाती है, जहां शिक्षकों की लापरवाही और जवाबदेही की कमी के कारण बच्चों का समय और अधिकार छीने जा रहे हैं। सरकार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या सरकार बच्चों के हाथ में किताब देना चाहती है या झाड़ू?

नवोदय विद्यालय के 11वीं वर्तमान सत्र 2025-26 के लिए आवेदन की तिथि बढ़ी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी और नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा प्रभारी श्री सुधीर सरोज (9669218771) द्वारा कक्षा छठी, कक्षा नवमी, कक्षा ग्यारहवीं सत्र 2026 - 27 एवं कक्षा 11वीं के कुछ सीटों के लिए सत्र 2025 - 26 के आवेदन संख्या बढ़ाने के लिए सिहावल ब्लॉक के कई स्कूलों का विजिट किया गया। प्राचार्यों से मिलकर अधिक से अधिक संख्या में आवेंदन करने साथ गर्ल्स विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि के लिए भी भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बालिका एजुकेशन को बढ़ावा देने के लिए गर्ल्स विद्यार्थियों की संख्या में न्यूनतम 50 प्रतिशत वृद्धि के लिए प्रोत्साहन दिया। उन्होंने बताया कि कक्षा ग्यारहवीं वर्तमान सत्र 2025-26 हेतु आवेदन कुछ रिक्त सीटों हेतु आमंत्रित हैं। सीधी जिले के अंतर्गत आने वाले विकासखंड में कक्षा दसवीं सत्र 2024-25 में 60 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण हो विज्ञान विषय के लिए मैथ्स कांबिनेशन के लिए मैथ में 65 और विज्ञान में 60 अंक होने चाहिए तथा बायोलॉजी कांबिनेशन के लिए विज्ञान और मैथ में भी 60 अंक के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।

विधायक ने राखी बांधने आई 251 बहनों को दिए हेलमेट

कहा- जिले में सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं, सुरक्षा के लिए यह जरूरी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। भाजपा विधायक रामनिवास शाह ने रक्षाबंधन पर एक अनोखी पहल की है। उन्होंने अपने सरकारी आवास पर राखी बांधने आई बहनों को हेलमेट गिफ्ट किया। बिलौंजी स्थित विधायक के सरकारी निवास पर दोपहर 12 बजे से रक्षाबंधन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस दौरान लगभग 500 महिलाएं और भाजपा कार्यकर्ता विधायक को राखी बांधने पहुंचीं। विधायक ने स्कूटी चलाकर आई 251 महिलाओं को सुरक्षा कवच के रूप में हेलमेट भेंट किए।

बातचीत में विधायक रामनिवास शाह ने कहा, सिंगरौली जिले में सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं। अक्सर समाचारों में पढ़कर और कई बार खुद मौके पर जाकर देखा है, तो मन में बड़ी पीड़ा होती है।

उन्होंने आगे बताया, कई बार बिना हेलमेट की दुर्घटनाओं में लोगों की जान चली जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि रक्षाबंधन पर जो भी बहनें मेरे पास राखी बांधने आएंगी, उन्हें मैं सुरक्षा का वादा करूंगा। विधायक ने कहा, मैं उनका विधायक हूं, इसलिए उन्हें हेलमेट देकर निवेदन करूंगा कि जब भी वे मोटरसाइकिल या स्कूटी पर सड़क पर निकलें, तो हेलमेट जरूर पहनें। मुझे लगता है कि रक्षाबंधन का यही सबसे बड़ा तोहफा होगा मेरी तरफ से मेरी बहनों को।

कार्यक्रम के दौरान शाम तक सुंदरकांड का पाठ भी आयोजित किया गया। इस अनोखी पहल से विधायक ने रक्षाबंधन के त्योहार पर सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया है।

प्रवर्तन निदेशालय की कार्यशैली पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी, कहा- 'गुंडे की तरह काम नहीं कर सकता'

संपादकीय

प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी की कार्यशैली और उसकी भूमिका पर आए दिन सवाल उठते रहे हैं। राजनीतिक दलों का आरोप है कि ईडी प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई करती है। वहीं उच्च न्यायालयों से लेकर शीर्ष अदालत ने भी निदेशालय को कई बार सवालों के कठघरे में खड़ा किया है। यह अफसोसनाक है कि ईडी की जांच में आरोपी बनाए गए लोग दोषी सिद्ध न होने पर भी महीनों विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद रहते हैं।

ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि धनशोधन रोकथाम कानून का दुरुपयोग कैसे और क्यों हो रहा है और किसके इशारे पर हो रहा है। इस कानून के तहत दोषसिद्धि दर पर भी सवालिया निशान लग चुके हैं। गुरुवार को शीर्ष न्यायालय ने भी इस बात पर चिंता जताई है कि धनशोधन मामलों में सजा की दर बहुत कम है। अदालत ने ईडी को सख्त लहजे में चेताया है कि वह किसी गुंडे की तरह काम नहीं कर सकती, उसे कानून के दायरे में रह कर काम करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार ईडी की कार्यशैली पर सवाल नहीं उठाया है

अदालत की टिप्पणी ईडी की जांच प्रक्रिया और कार्यशैली पर एक बड़ा सवाल है। अगर इस संस्था की छवि इस कदर नकारात्मक बन रही है, तो इस पर उसे सोचने की जरूरत है।

ऐसा नहीं है कि शीर्ष न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के कामकाज पर कोई पहली बार सवाल उठाया है। पिछले महीने भी अदालत ने कहा था कि ईडी सारी हदें पार कर रही है। यह गंभीर स्थिति है कि न्यायिक हिरासत खत्म होने के बाद आरोपी जेल से बाहर आ जाते हैं। इस दौरान प्रवर्तन निदेशालय न तो अपनी जांच पूरी कर पाता है और न ही उनके खिलाफ आरोप सिद्ध कर पाता है। इस पर विचार किया जाना चाहिए कि अगर ईडी के पास किसी आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए मजबूत आधार होता है तो दोषसिद्धि की दर दस फीसद से भी कम क्यों है। इस पर चिंता जताते हुए शीर्ष अदालत ने उचित सवाल किया है कि अगर आरोपी बरी हो जाते हैं, तो इसका भुगतान कौन करेगा।

यह बेकसूर नागरिकों की स्वतंत्रता का भी सवाल है। ईडी की छवि पर अगर प्रश्न उठ रहे हैं, तो इसका निवारण अब उसे ही करना होगा। इस संदर्भ में ईडी को शीर्ष अदालत की इस नसीहत पर गौर करने की जरूरत है कि उसे कानून की सीमा में काम करना चाहिए।

लॉटरी खरीदो, भविष्य चमकाओ

गुरमीत बेदी

लो जी, एकदम चकाचक नई योजना आ गई है। योजना क्या है, समझ लो अलादीन का चिराग है। यह चिराग हर किसी को नहीं मिलता। लेकिन इधर सरकार ने गजब कर दिया है और चिराग का इंतजाम भी कर दिया है। इस चिराग के साथ अब अलादीन का नाम नहीं जुड़ेगा बल्कि यह एक सरकारी योजना होगी, क्योंकि सरकार नया आइडिया लेकर आई है। और आइडिया कैसे आया है, यह भी जान लीजिए। जब सरकार से अपने वायदे पूरे नहीं हुए, जनहित के कार्यों पर विराम लग गया और खजाना भी इधर-उधर बंटकर खाली हो गया तो सरकार ने हाई लेवल मीटिंग करके यह निर्णय लिया कि अब लॉटरी सिस्टम बहाल किया जाएगा और सरकार के भरोसे में रहने की वजाय लोग लॉटरी पर किस्मत आजमाएंगे। यह लॉटरी गजब की होगी। अब जनता को रोजग़ार की लाइन में नहीं लगना होगा। न ही शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के नाम पर धरनों-प्रदर्शनों में शामिल होना पड़ेगा। अब हर समस्या का हल एक ही, 'लॉटरी खरीदो, भविष्य चमकाओ।' सरकार ने अपने इस ऐतिहासिक फैसले को 'भाग्य भरोसे योजना' नाम दिया है। इसका 'लोगो' यानी प्रतीक सिंबल ऐसा व्यक्ति है जो माथे पर किस्मत की रेखाएं गिन रहा है और बगल में 'राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त'लॉटरी टिकट हाथ में है। अब बच्चों के एडमिशन से लेकर बुजुर्गों की पेंशन तक सब कुछ लॉटरी के जरिए तय होगा। कौन बच्चा किस स्कूल में पढ़ेगा, कौन सी महिला राशन पाएगी और किस गांव को अगला पुल मिलेगा, सब किस्मत से। यानी लॉटरी से तय होगा। सरकारी कर्मचारियों की अगली प्रमोशन भी अब मेरिट से नहीं, लॉटरी से होगी। और क्यों न हो? जब राजनीति ही सौभाग्य से मिली हो, तो प्रमोशन भी सौभाग्य से मिले।

अब सरकार के मुखिया जी ने खुद घोषणा की, हमें अपनी जनता पर पूरा भरोसा है कि वे किस्मत के खेल में हमसे बेहतर निकलेंगे। वैसे भी वादे निभाना अब पुरानी राजनीति है, आजकल तो स्क्रैच कार्ड वाली सरकारें चलती हैं। इस योजना के अंतर्गत अब हर विभाग में 'भाग्य अनुभाग' स्थापित हो गया है। इन दफ्तरों में अब कोई फाइल देखकर नहीं, फॉर्च्यून व्हील घुमाकर फैसला होता है। इलाज चाहिए? व्हील घुमाओ। स्कॉलरशिप चाहिए? व्हील घुमाओ। घर टूटा है? दो टिकट खरीदो, शायद आशियाना मिल जाए। सरकारी अस्पतालों के बाहर अब बोर्ड लगे हैं, इलाज मुफ्त नहीं, लेकिन लॉटरी में भाग लो। किस्मत रही तो ऑपरेशन भी होगा, नहीं तो मरीज की सलामती की दुआ करिए। लोक निर्माण विभाग में अब सडक़ें भी लॉटरी से बनेंगी। जिन गांवों की लॉटरी निकलेगी, वहीं सीमेंट बिछेगा। बाकी गांवों को गड्ढों में अपना भविष्य तलाशना होगा। अब मोहल्लों में हर शाम 'लॉटरी चर्चा मंच' लगने लगे हैं। पहले जहां रामायण और महाभारत पर बहस होती थी, अब टिकट नंबरों पर चर्चा होती है, 'तेरा 378 वाला फेल हो गया? मेरा 412 निकला था, पर इनाम ही साबुन निकला।' सरकार की तरफ से स्पष्ट कर दिया गया है कि अब कोई आंदोलन नहीं होगा, कोई धरना नहीं होगा, सब कुछ भाग्य से चलेगा। हां, अगर किस्मत खराब हो तो सरकार ज़िम्मेदार नहीं। आखिर वह पहले ही बता चुकी है, हमने तो आपको लॉटरी दी थी, फिर भी आप फेल हो गए तो दोष आपका। सरकार इसमें क्या करें? सरकार को और भी छत्तीस लफड़े होते हैं। कुछ विरोधी नेता इस नीति को 'लॉटरी वाली लूट' कहकर विरोध कर रहे हैं। मगर उनकी आवाज़ को सरकार ने भाग्यचक्र में घुमा दिया। संक्षेप में कहें तो अब देश गणतंत्र नही, लॉटरीतंत्र बन चुका है। इस बीच एक बड़ी खबर ये है कि अगला विधानसभा चुनाव भी लॉटरी से होगा। जनता में इस बात की चर्चा है कि चुनाव आयोग ने नारा दिया है, न बटन दबाओ, न प्रचार करो,सीधे टिकट खरीदो और जनप्रतिनिधि बनो। कहा जा रहा है कि विपक्ष अब कोर्ट में याचिका दायर करेगा कि 'अगर सरकार ही लॉटरी से चलनी है तो हम संसद भवन को ही 'ड्रॉ सेंटर' घोषित क्यों न कर दें? और अंत में एक सरकारी विज्ञापन- 'लॉटरी लीजिए, लोकतंत्र को बचाइए- सरकार का भरोसा नहीं, किस्मत पर यकीन लाइए।'

> प्रकृति ने जीवन जीने के लिए अनमोल उपहार दिए हैं लेकिन बदले में हमने प्रकृति को गहरे जख्म दिए। परिणाम स्वरूप अब प्रकृति ने भी अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया। सबसे अनमोल उपहार वायु और जल है। इसके बिना धरती पर प्राणधारियों का अस्तित्व ही नहीं है। प्रकृति से छेड़छाड़ से वायुमंडल प्रदूषित हो रहा है। पहाड़ों का सीना छलनी हो रहा है। अंधाधुंध पेड़ों का कटान होने से पहाड़ नंगे हो रहे हैं। खनन होने से प्राकृतिक जलस्रोत लुप्त होने लगे हैं। हर साल बरसात का मौसम भयंकर तबाही लेकर आता है। हिमाचल एवं उत्तराखंड के अनेक पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने की दिल दहलाने वाली घटनाएं होती है तथा जान-माल की भारी क्षति होती है। कई जगह तो पूरे-पूरे गांव का नामोनिशान तक मिट जाता है। अनेक जिंदगियां भूस्खलन में हमेशा के लिए दब जाती हैं या पानी के बहाव में बह जाती हैं।

प्रकृति से छेड़छाड़ निरंतर घातक

रामलाल पाठक

भारी बारिश होने से बड़ी मात्रा में भूस्खलन होता है। हर साल पहाड़ दरक रहे हैं तथा भविष्य के लिए खतरा निरंतर बढ़ता ही जाता है। नतीजतन बड़ी-बड़ी इमारतें ताश के पत्तों की तरह बिखर जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में फोरलेन के निर्माण हो रहे हैं। इससे अवैज्ञानिक ढंग से पहाड़ों का कटान हो रहा है। लंबी-लंबी सुरंगे बनाई जा रही हैं। इससे पहाड़ खोखले हो रहे हैं। यह भी तबाही का बड़ा कारण है

प्रकृति ने जीवन जीने के लिए अनमोल उपहार दिए हैं लेकिन बदले में हमने प्रकृति को गहरे जख्म दिए। परिणाम स्वरूप अब प्रकृति ने भी अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया। सबसे अनमोल उपहार वायु और जल है। इसके बिना धरती पर प्राणधारियों का अस्तित्व ही नहीं है। प्रकृति से छेड़छाड़ से वायुमंडल प्रदूषित हो रहा है। पहाड़ों का सीना छलनी हो रहा है। अंधाधुंध पेड़ों का कटान होने से पहाड़ नंगे हो रहे हैं। खनन होने से प्राकृतिक जलस्रोत लुप्त होने लगे हैं। हर साल बरसात का मौसम भयंकर तबाही लेकर आता है। हिमाचल एवं उत्तराखंड के अनेक पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने की दिल दहलाने वाली घटनाएं होती है तथा जान-माल की भारी क्षति होती है। कई जगह तो पूरे-पूरे गांव का नामोनिशान तक मिट जाता है। अनेक जिंदगियां भूस्खलन में हमेशा के लिए दब जाती हैं या पानी के बहाव में बह जाती हैं। जाने वाले तो परिजनों को उम्र भर के जख्म दे जाते हैं लेकिन सब कुछ तबाह होने के बाद जो बच जाते हैं उनकी जीवन भर की कमाई मिट्टी में मिल चुकी होती है। इससे वे तन और मन से भी टूट जाते हैं। जब ऐसी घटना होती है, तो उनकी स्थिति यह हो जाती है कि उनके पास तन पर पहने कपड़े ही रह जाते हैं। इसके अलावा खाने-पीने के लिए भी कुछ नहीं रह जाता। यह सब प्रकृति का दोष नहीं है। हम प्रकृति से बहुत कुछ ले रहे हैं, लेकिन दे रहे तो गहरे जख्म। नतीजतन अब प्रतिशोध को तो भुगतना ही पड़ेगा। बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि धरती पर कंक्रीट के जंगल खड़े हो गए हैं। कारखानों के जहरीले धुएं से वायुमंडल प्रदूषित हो रहा है तथा केमिकल युक्त पानी से धरती में जहर घुल रहा है। नदियों-खड्डों से रेत और बजरी का अंधाधुंध बेतरतीब खनन हो रहा है। सडक़ों और सुरंगों के निर्माण से पहाड़ खोखले हो रहे हैं। पर्यावरण संतुलन काफी बिगड़ गया है, धरती का तापमान बढने् से हिमालय के सदियों पुराने ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। धरती पर कंक्रीट के जंगल बन जाने से बरसाती पानी का ठहराव नहीं हो रहा है। पहाड़ों में भूस्खलन से तबाही हो रही है तथा खड्डों-नालों में भयंकर बाढ़ आ रही है। पर्यावरण संतुलन गड़बड़ाने भी बादल फटने जैसी घटना का कारण रहा है।

बादल फटने की घटनाएं आधी रात या उसके बाद होती है। जब लोग गहरी नींद में सोए होते हैं। फिर भी यदि किसी की नींद खुल जाए, तो वह अपने आसपास क्षेत्र से किसी को मदद के लिए भी नहीं बुला सकता है। हर प्रकार का संपर्क कट जाता है। बिजली गुल हो जाती है। तबाही वाले स्थान पर भयंकर मंजर होता है। बचने-बचाने के लिए दर्दनाक चीख पुकार होती है। जो लोग किसी तरह बच जाते हैं वे अपनों को ढूंढते हैं। जब तक राहत और बचाव कार्य शुरू होता है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है तथा अपूर्णीय क्षति हो जाती है। उसकी भरपाई करना बहुत मुश्किल हो जाता है। यह सब प्रकृति से हो रही छेड़छाड़ का परिणाम है। हर साल बड़ी घटनाएं होने के बावजूद न तो मनुष्य सबक ले रहा है और न ही प्रशासन व सरकार इस बारे में गंभीर है। नतीजतन हर वर्ष यही क्रम चलता जाता है। कुछ लोगों के पास घर बनाने के लिए नदी-नालों के किनारे या दरकने वाले पहाड़ों की ओट में अपनी जमीन होती है। इसलिए मजबूरी में ही उन्हें वहां अपना आशियाना बनाना पड़ता है। प्रकृति से खिलवाड़ करने वाले कई लोग पहाड़ों का सीना चीर कर अपनी बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर देते हैं। इससे पहाड़ खोखले हो रहे हैं। भारी बारिश होने से बड़ी मात्रा में भूस्खलन होता है। हर साल पहाड़ दरक रहे हैं तथा भविष्य के लिए खतरा निरंतर बढ़ता ही जाता है। नतीजतन बड़ी-बड़ी इमारतें ताश के पत्तों की तरह बिखर जाती हैं। पहाड़ी क्षेत्रों में फोरलेन के निर्माण हो रहे हैं। इससे अवैज्ञानिक ढंग से पहाड़ों का कटान हो रहा है। लंबी-लंबी सुरंगे बनाई जा रही हैं। इससे पहाड़ खोखले हो रहे हैं। यह भी तबाही का बड़ा कारण है। जंगलों का बेरहमी से कटान हो रहा है। सिकुड़ते जंगल और पत्थरों का बेतरतीब अंधाधुंध खनन से भी पहाड़ दरक रहे हैं। भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर होते हैं। हर वर्ष होने वाली इस तबाही से करोड़ों का नुकसान होता है। समाज के विकास में लगने वाले सरकार के बजट का काफी हिस्सा प्रभावितों को राहत के तौर पर वितरित करना पड़ता है। बरसात के बाद जनजीवन को पटरी पर लाने के लिए वर्षों का समय लग जाता है। पहाड़ों के दरकने से हर वर्ष कई जिंदगियां दफन हो जाती हैं। अनगिनत पालतू पशु भूस्खलन की भेंट चढ़ जाते हैं अथवा पानी के तेज प्रवाह में बह जाते हैं।

कई लोग अपने आशियाने के अंदर ही दब जाते हैं। उस परिवार का सदा-सदा के लिए अस्तित्व ही मिट जाता है। बहुमूल्य सरकारी व निजी संपत्ति मिट्टी में मिल जाती है। लगातार होने वाली भारी बारिश से प्रभावितों को होने वाले गहरे जख्मों में पीड़ा और अधिक बढ़ जाती है। जाने वाले तो संसार छोड़ कर ही चले जाते हैं। उनका किसी से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिजनों को उनका दुख जिंदगी भर सताता रहता है। लेकिन जिन लोगों के रिहायशी मकानों को ही जमीन लील लेती है। उनके सामने

सबसे बड़ी चिंता भविष्य में सिर ढांपने की हो जाती है। भले ही सरकार प्रभावितों को राहत तो देती है लेकिन जिन लोगों का सब कुछ ही तबाह हो चुका होता है, अच्छा भला बसा बसाया बसेरा उजड़ जाता है। उनका पुनर्वास होने के बाद पहले की तरह सुख-सुविधाएं नहीं मिल पाती है और न उन्हें संतोष मिल पाता है। हर वर्ष मनुष्य इस त्रासदी को झेलता है। मौसम विभाग की चेतावनी के बावजूद अनेक पर्यटक जोखिम भरे स्थानों तक पहुंच जाते हैं । ऐसा अचानक नहीं होता कि एकदम मौसम इतना अधिक खराब हो जाए कि नदी-नालों का पानी खतरे से ऊपर बहने लगे तथा पहाड़ दरक जाए और बहुत बड़ी अनहोनी हो जाए, लेकिन ऐसे स्थानों पर जाने के लिए पर्यटकों को हिदायत देना जरूरी होता है। यह बात सही है कि पर्यटन उद्योग से हिमाचल की माली हालत में सुधार होता है लेकिन प्रदेश के भौगोलिक जलवायु से पर्यटक अनभिज्ञ होते हैं। उन्हें उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता या वे मनमानी करते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर खतरनाक स्थानों पर पहुंच जाते हैं। ऐसे में यदि कोई घटना होती है तो प्रशासन को उनके बचाव के लिए काफी खर्च करना पड़ता है।

नफरत के सियासी दौर में जिंदा है 'भारत'

सैयद सलमान मुंबई

इस देश की मिट्टी में विविधता की ऐसी अनूठी खुशबू बसी है, जिसमें संस्कृति, भाषा, मजहब और रंग-रूप के भेद मिट जाते हैं। पीढ़ियों से हमारे समाज की सांसों में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का भाव रचा-बसा है, जिसने 'गंगा-जमुनी तहजीब' के जरिए नफरत के साये को दूर रखा है। फिर भी अफसोस तब होता है, जब देश में नफरत और हिंसा की खबरें उस मधुर भाईचारे के दरख्त की जड़ों में मट्ठा डालने का काम करती हैं।

इंसानियत के दुश्मन: मिसाल के तौर पर कर्नाटक के बेलगावी में सरकारी स्कूल में एक मुस्लिम प्रधानाध्यापक को हटाने की कोशिश में स्कूल की पानी की टंकी में जहर मिलाने की खबर को ही ले लें, जो इंसानियत के चेहरे पर कालिख पोतने जैसा कुत्सित प्रयास है। जरा सोचिए, हालात कहां पहुंच चुके हैं कि नफरत के सौदागर बच्चों की जान दांव पर लगाने से भी नहीं डरते। सिर्फ इसलिए, ताकि किसी एक शिक्षक की प्रतिष्ठा धूमिल हो जाए और उनके मजहबी पूर्वाग्रह का गलीज खेल पूरा हो सके। पुलिस जांच में साफ हुआ कि साजिश सिलसिलेवार थी, जिसमें एक विवादित संगठन से जुड़े स्थानीय नेता तक की संलिप्तता सामने आई। हैरान कर देनेवाला तथ्य यह भी था कि एक मासूम छात्र से दबाव में जहर की बोतल पानी की टंकी में डलवाई गई। यह समाज का नैतिक पतन और बचपन जैसी कोमल भावनाओं का सीधे-सीधे शोषण है। छात्र को निजी जीवन के राज फाश करने की धमकी देकर

इस्तेमाल कर लेना, आज के बदतर हालात की तो तस्वीर है ही, लेकिन यह उस सामाजिक दरार की गवाही भी है, जिसे कुछ ताकतें अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए लगातार गहरा करने पर तुली हैं। सोचकर डर लगता है कि नफरत का कारोबार समाज के इतने गहरे तल तक घर कर चुका है कि बच्चे भी इन साजिशों का शिकार बन रहे हैं।

फिर गोरखपुर की वह घटना भी है, जहां एक होटल में खुद कुछ साथी, शाकाहारी खाने में हड्डी डालकर सांप्रदायिक बवाल भड़काने की साजिश करते नजर आए। अगर वह पूरी वारदात सीसीटीवी वैसमरे में वैसद नहीं होती तो मामला कितना बड़ा हो जाता, अंदाजा लगाना मुश्किल है। ऐसे वक्त में हर जागरूक नागरिक के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यही वह 'भारत' है, जिसके लिए हमारे पुरखों ने बलिदान दिया? क्या आज भी हमारे भीतर का वह इंसान जिंदा है जो धर्म, मजहब, जाति के नाम पर बच्चों को लाचार बना देने या समाज को हिंसा की आग में झोंक देने की कुटिलता का विरोध कर सके? ऐसी कई घटनाएं और भी हैं जिस पर चिंतन की जरूरत है।

कुत्सित सियासत: दरअसल, ऐसे 'नफरत के सौदागर' नफरत को संस्थागत बनाकर समाज के ताने-बाने को भेदना चाहते हैं। यह सिर्फ कुछ घटनाएं नहीं हैं, इसके पीछे एक मकसद है। वह है देश की साझा संस्कृति, सौहार्द, भरोसे और संबद्धता को तार-तार करना। अपनी स्वार्थी राजनीति और सत्ता की भूख के लिए कुछ लोग 'फूट डालो, राज करो' की नीति पर काम करते हैं, बाकी समाज में अविश्वास, घृणा और डर का माहौल बनाते हैं। सुकून की बात यह है कि उनके मंसूबों के बावजूद देश का बहुसंख्यक वर्ग आज भी संवेदनशील, इंसाफ-पसंद और भाईचारे का हामी है। देश का विशाल बहुसंख्यक वर्ग आज भी मानवीय मूल्यों के साथ खड़ा है। उसके अंतरमन में अल्पसंख्यकों के लिए न द्वेष है, न कोई भेदभाव। गांव-शहर की गलियों, खेल के मैदानों, बाजार में आपसी मेलजोल की असंख्य मिसालें बिखरी हैं। समाज में जहर घोलने वाले भले ही हरसंभव हथकंडा अपनाकर देश के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने में जुटें, मगर सामान्य भारतीय आज भी मानवता के तकाजे पर अटल है।

यह दरअसल, दो विचारों का संघर्ष है। एक तरफ है वह हिंदुस्थान, जो समानता, सहिष्णुता, हिम्मत और भाईचारे की विरासत संजोता है, दूसरी ओर वे मुट्ठीभर ताकतें हैं, जो विविधता को नफरत का मैदान बनाना चाहती हैं। अब यह जागरूक समाज की जिम्मेदारी है कि वह इन घिनौनी चालों को पहचाने, चर्चा करे, सोच-समझकर अपने विवेक का इस्तेमाल करे और हर स्तर पर सामूहिक प्रतिबद्धता जाहिर करे कि 'जहर' चाहे पानी की टंकी में घोला जाए या दिमाग में, उसका नाश करना ही हमें 'भारतीय' बनाता है। इस कठिन दौर में उम्मीद की लौ बुझनी नहीं चाहिए। एकता, संवेदनशीलता और भाईचारा ही इस देश के सामाजिक ताने-बाने की असल ताकत है, जिसे कोई भी ताकत डिगा नहीं सकती।

'भारत' की साझी संस्कृति बार-बार इन साजिशों के बावजूद जिंदा है। इतिहास के आईने में जब-जब नफरत ने पैर पसारे हैं, समाज ने संयम, साहस और विवेक के साथ जवाब दिया है। यही इस देश की परंपरा है, यही समाज के एक होने की निशानी है और यही जहर के सौदागरों के झूठे और नफरती कारनामों का मुंहतोड़ जवाब भी है।

उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन 10 अगस्त को नई दिल्ली जाएंगे

तीन दिवसीय प्रवास के दौरान केंद्रीय मंत्रियों से करेंगे मुलाकात

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन 10 से 12 अगस्त तक नई दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रियों से सौजन्य मुलाकात करेंगे। मंत्री देवांगन 10 अगस्त (रविवार) को 8.30 बजे फ्लाइट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। रात 10.05 बजे वे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे। मंत्री देवांगन 11 एवं 12 अगस्त को नई दिल्ली में भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। वे नई दिल्ली से 12 अगस्त को शाम 7.20 बजे फ्लाईट से प्रस्थान कर 8.55 बजे रायपुर लौट आएंगे।

ऑयल पाम की खेती से किसानों के जीवन में आएगी खुशहाली-प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल'

स्वास्थ्य मंत्री ने ऑयल पाम के पौधे रोपित कर किसानों को बताए इसके फायदे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ऑयल पाम की खेती से किसानों को कम मेहनत एवं कम लागत में अधिक मुनाफा होगा। इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी और उनके जीवन में खुशहाली आएगी। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और मरवाही विधायक प्रणव कुमार मरपची ने आज गौरेला विकासखण्ड के करगीखुर्द में ऑयल पाम के पौधे लगाकर किसानों को इसके फायदे बताए। उल्लेखनीय है कि खाद्य तेलों का उत्पादन बढ़ाने, किसानों की आय में वृद्धि करने और खाद्य तेलों का आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत वन अधिकार पट्टा धारक 13 आदिवासी किसानों के 15 हैक्टेयर क्षेत्र में पहली किश्त में 1250 ऑयल पाम के पौधे लगाए गए। यहां प्रति हैक्टेयर 143 के मान से 2145 पौधे लगना है।

ऑयल पाम की खेती से वार्षिक उत्पादन प्रति एकड़ 10 से 12 टन, न्यूनतम मजदूर की आवश्यकता, ऑयल पाम पौधे में बीमारी होने की संभावना कम होती है, अतः दवाई पर होने वाले खर्च कम है। इसका उत्पादन 4 वर्ष से प्रारंभ हो जाता है। फसलोत्पाद बिक्री हेतु बाजार उपलब्ध है। ऑयल पाम खेती के फायदों में खरीदी हेतु सरकार द्वारा मूल्य का निर्धारण, फसल उत्पादन खरीदी हेतु संग्रहण केन्द्र की सुविधा, कमीशन एजेंट से छुटकारा, मुफ्त तकनीकी सहायता, विशेषज्ञों द्वारा निरीक्षण, परिक्षण व निरंतर सहयोग मिलता है। बहुवर्षीय फसल 25 से 30 वर्ष तक लगातार उत्पादन होता है ऑयल पाम की खेती के रखरखाव हेतु सरकार की तरफ से आर्थिक (सब्सिडी) सहायता भी शामिल है।

उप मुख्यमंत्री के निर्देश पर खुड़िया बांध से तत्काल छोड़ा गया पानी

सिंचाई के लिए 1.29 लाख एकड़ में पहुंचेगा पानी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव के निर्देश पर मुंगेली जिले के खुड़िया बांध (राजीव गांधी जलाशय) से सिंचाई के लिए तत्काल पानी छोड़ा गया है। इससे लोरमी क्षेत्र के एक लाख 29 हजार एकड़ खेतों में सिंचाई के लिए पानी पहुंचेगा। चालू खरीफ सीजन में क्षेत्र के खेतों में पानी की कमी की बात संज्ञान में आते ही उप मुख्यमंत्री साव ने लोरमी में एक कार्यक्रम में मंच से ही कलेक्टर को सिंचाई के लिए पानी छोड़ने के निर्देश दिए थे। जिला प्रशासन ने इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आज ही खुड़िया बांध के गेट खोल दिए हैं। बांध से पानी छोड़े जाने से किसानों ने राहत की सांस ली है। उन्होंने इसके लिए उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार जताया है।

मुंगेली के कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जल वितरण व्यवस्था की निगरानी और किसानों तक समय पर पानी पहुंचाने के लिए जल संसाधन एवं अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलों के किसानों को बिना किसी बाधा के सिंचाई जल उपलब्ध हो, इसकी सतत निगरानी करने को कहा है। जल संसाधन विभाग, मुंगेली के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि खुड़िया जलाशय में अभी 150.68 मि.घ.मी. अर्थात 102 प्रतिशत पानी भरा हुआ है और वेस्ट वियर के माध्यम से भी पानी निकल रहा है। पानी छोड़ने से सिंचाई के साथ ही ग्रामीणों को निस्तारी के लिए जल की सुविधा मिलेगी। इससे पशुपालन और अन्य कार्यों में भी राहत मिलेगी।

हाथियों से सुरक्षा के लिए नई पहल

ग्रामीणजनों की सुरक्षा के लिए वन विभाग ने बनाई हाथी मितान एवं हाथी वार्ता केन्द्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग द्वारा हाथी-मानव द्वंद को कम करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। धरमजयगढ़ वनमंडल के ओंगना गांव में हाथी मितान और हाथी वार्ता केंद्र की शुरुआत की गई है। वन मंत्री कश्यप ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि हाथी प्रभावित अन्य गांवों में भी जल्द ही यह योजना लागू की जाएगी, जिससे ग्रामीणों को समय पर सतर्क कर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। यह पहल वन विभाग और ग्रामीणों के बीच समन्वय बनाकर हाथियों से जुड़ी समस्याओं को कम करने में मदद करेगी। इस योजना के तहत गांव के एक जागरूक व्यक्ति को हाथी मितान के रूप में चुना गया है। यह मितान गांव में हाथियों के विचरण और उनकी की उपस्थिति, उनके व्यवहार और सुरक्षा के तरीकों की जानकारी समय पर ग्रामीणों को देंगे। साथ ही, गांव में हाथी वार्ता केंद्र स्थापित किया गया है, जहां ग्रामीणों को हाथियों से जुड़ी जानकारी और सुरक्षा के उपाय बताए जाएंगे। इसी तरह हाथी वार्ता केंद्र में गांव का नक्शा बनाकर जंगल के नजदीक स्थित घरों को चिन्हांकित किया गया है। इन घरों के निवासियों का मोबाइल नंबर भी रिकॉर्ड में रखा गया है, ताकि हाथियों की उपस्थिति की सूचना उन्हें तुरंत दी जा सके और समय रहते वे सुरक्षित स्थान पर जा सकें। इस अवसर पर स्कूली बच्चों और ग्रामीणों को हाथियों से संबंधित जानकारी वाले पाम्पलेट बांटे गए। इस अभियान में वन विभाग के अधिकारी, नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी, हाथी मित्र दल और स्थानीय लोग सक्रिय रूप से शामिल हुए।

गौ सेवा समाज, संस्कृति और आत्मा से जुड़ा कार्यः अरुण साव

गौ सेवा संकल्प महाअभियान' में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री अरुण साव आज मुंगेली में ''गौ सेवा संकल्प अभियान'' के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला में शामिल हुए। सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ती जनहानि और पशुहानि को देखते हुए बेसहारा एवं सड़कों पर छोड़े गए मवेशियों के बेहतर प्रबंधन, सेवा और संरक्षण को सुदृढ़ करने मुंगेली जिला प्रशासन द्वारा ''गौ सेवा संकल्प अभियान'' की शुरुआत की गई है। विधायक पुन्नूलाल मोहले भी कार्यशाला में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री साव और विधायक मोहले सहित अनेक जनप्रतिनिधियों ने कार्यशाला में गौ मित्र बनने के लिए फॉर्म भरा और इसके लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस अभियान को अपने जीवन का ऐतिहासिक, अविस्मरणीय और सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम बताते हुए कहा कि गौ सेवा समाज, संस्कृति और आत्मा से जुड़ा कार्य है, जिसे जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें अपनी भावनाओं को जगाने की आवश्यकता है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों को इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही सभी लोगों को इस अभियान में सहभागी बनने की अपील की। साव ने उम्मीद जताई कि गौ सेवा संकल्प अभियान से घूमंतु पशुओं के कारण हो रही सड़क दुर्घटनाओं, यातायात में बाधा, जनहानि आदि में निश्चित ही कमी आएगी।

कार्यशाला में गौमाता की सेवा करने, मवेशी को खुले में नहीं छोड़ने, सड़क पर मवेशी मिलने पर किनारे हटाने के साथ ही अपने माता-पिता, मित्रों, रिश्तेदारों और पड़ोसियों को गौ सेवा के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान चोरी एवं अपराध की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए सूडा द्वारा जिले को 64 सीसीटीवी कैमरे प्रदान करने के लिए उप मुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

विधायक पुन्नूलाल मोहले ने ''गौ सेवा संकल्प अभियान'' की ऐतिहासिक शुरुआत के लिए जिला प्रशासन को बधाई देते हुए सभी लोगों को गौ-पालन का संकल्प लेने को कहा। उन्होंने कहा कि गौमाता की पूजा में सभी देवी-देवताओं की पूजा शामिल होती है। हमारा यह गौ सेवा संकल्प अभियान छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश के लिए मॉडल बने, ऐसा हमें प्रयास करना है। उन्होंने लोगों को गौमाता की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर कुंदन कुमार ने कहा कि गौ सेवा संकल्प अभियान हम सब का अभियान है। छोटी-छोटी पहल से शुरुआत करते हुए इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में गौ सेवा समिति का गठन किया जा रहा है। ये समितियां घूमंतू पशुओं के प्रबंधन का कार्य करेंगी। उन्होंने बताया कि सभी पशुओं की ईयर-टैगिंग की जाएगी, ताकि पशु मालिकों की आसानी से पहचान हो सके। रात में पशु दिखाई दें, इसके लिए रेडियम बेल्ट भी लगाए जाएंगे। मुंगेली जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल और जिला पंचायत के सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। मुंगेली जिले में गौ सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गायों की सेवा, संरक्षण एवं सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनाई गई है। घुमंतू पशुओं की समस्या के समाधान के प्रयास के रूप में काऊ कैचर, पशु हेल्पलाइन कंट्रोल रूम, गौ आधारित आजीविका और उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाएंगे। पशुपालन में व्यापक रोजगार के अवसरों के सृजन, जन्म-मृत्यु पंजीयन, बिना चरवाहे के छोड़े जाने पर प्रतिबंध जैसे प्रयास भी हो रहे हैं। अभी तक 700 से अधिक गौ मित्र बनाए जा चुके हैं। अभियान के अंतर्गत एक लाख से अधिक गौ मित्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक भी बड़ी संख्या में कार्यशाला में शामिल हुए।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने गौरेला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का उद्घाटन किया

स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण, वार्ड में भर्ती मरीजों से बातचीत कर हालचाल पूछा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन गौरेला का उद्घाटन किया। उन्होंने भारत माता की छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके फीता काटकर भवन का उद्घाटन किया और ओपीडी वार्ड एवं जनरल वार्ड सहित स्वास्थ्य केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने वार्ड में भर्ती मरीजों से मुलाकात की और उनका हालचाल पूछा। उन्होंने बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और समुचित ईलाज के लिए स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम प्रसव के प्रकरणों में विशेष सावधानी बरतें और गर्भावस्था के दौरान आयरन, विटामिन एवं पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना सुनिष्चित करें। स्वास्थ्य मंत्री ने वार्ड में भर्ती मरीजों की निजता के लिए डीएमएफ मद से पर्दे से पार्टीशन करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान नर्सों ने स्वास्थ्य मंत्री को राखी बांधी, उन्हें लड्डू खिलाया और अपने नियमितिकरण की मांग की। मंत्री ने उनकी मांग पर आवश्यक कार्रवाई करने उन्हें आश्वस्त किया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने बदली ग्रामीण परिवार की किस्मत

रानीसागर के लक्ष्मीकांत बने ऊर्जा उत्पादक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से रायगढ़ जिले में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जनजागरूकता बढ़ी है और ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर हो रहे हैं। इसी क्रम में खरसिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम रानीसागर निवासी लक्ष्मीकांत पटेल ने योजना का लाभ उठाकर न केवल अपने घरेलू बिजली व्यय में कमी लाई, बल्कि सौर ऊर्जा उत्पादक बनकर पूरे गाँव के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बन गए हैं। पटेल के परिवार का मासिक बिजली बिल औसतन 800 से 920 रुपये तक आता था। मार्च 2025 में उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया। इसके पश्चात उनका मासिक बिजली बिल घटकर मात्र 370 रुपये रह गया। पिछले तीन महीनों में उनके सोलर संयंत्र से 780 यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ, जिसमें से 530 यूनिट का उपयोग उन्होंने स्वयं किया तथा शेष 250 यूनिट विद्युत वितरण कंपनी को विक्रय की। इसके एवज में उनके बिजली खाते में 1020 रुपये की राशि जमा की गई, जो आगामी बिलों में समायोजित की जाएगी।

इस सोलर प्लांट की कुल लागत में से पटेल को मात्र 10 हजार रुपये की राशि स्वयं वहन करनी पड़ी। शेष राशि का वित्तीय प्रबंधन भारतीय स्टेट बैंक से 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर किया गया। केंद्र सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान के उपरांत उनकी मासिक ईएमआई भी बिजली बिल की आधी राशि से कम रह गई है। लक्ष्मीकांत पटेल का मानना है कि यह योजना दीर्घकालीन रूप से आम नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाती है। साथ ही, यह पर्यावरण संरक्षण तथा घरेलू अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हो रही है। उनकी सफलता से प्रेरित होकर अब गाँव के अन्य नागरिक भी योजना से जुड़ने के लिए उत्साहित हैं।

बलौदाबाजार जिले में संयुक्त टीम ने किया कृषि सेवा केन्द्रों का निरीक्षण,9 केंद्रों को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बलौदाबाजार भाटापारा जिले के कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार कृषि विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त दल द्वारा लगातार कृषि सेवा केन्द्रों की छानबीन की जा रही है। निरीक्षण के दौरान अनियमितता पाए जाने पर 9 केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पलारी एसडीम दीपक निकुंज एवं उर्वरक निरीक्षक सुचिन कुमार वर्मा ने भगत कृषि सेवा केंद्र संडी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विक्रय केंद्र में स्त्रोत प्रमाण पत्र संधारण नहीं किया गया था तथा किसानों को बिल भी नहीं दिया जा रहा था इस कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कसडोल एसडीएम राम रतन दुबे एवं कीटनाशक निरीक्षक धनेश्वर के द्वारा कसडोल में संचालित आचार्य कृषि सेवा केंद्र, कुशवाहा कृषि सेवा केंद्र, जोगी कृषि केंद्र तथा गोपाल बीज भण्डार का निरिक्षण किया गया।स्तोत्र प्रमाण पत्र संधारण नही करने तथा कालातीत दवाइयों का उचित रख रखाव नहीं करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी तरह सिमगा निरीक्षक जयइन्द्र कंवर ने विकासखण्ड सिमगा के ग्राम मोहरा में संचालित वर्मा ट्रेडर्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विक्रय केंद्र में स्त्रोत प्रमाण का संधारण नहीं पाया गया तथा कृषको को बिल नहीं दिया जा रहा था साथ ही उर्वरक भण्डारण वितरण की जानकारी भी विभाग को प्रेषित नहीं की जा रही थी। इस पर उन्हें कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। ग्राम हथबंद में संचालित वर्मा ट्रेडर्स, देवांगन ट्रेडर्स एवं सौरभ कृषि केंद्र का निरीक्षण किया गया।स्त्रोत प्रमाण पत्र का संधारण नहीं करने तथा कृषकों को बिल नहीं दिया जा रहा था जिस पर तीनो केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

प्रदेश में अब तक 651.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 651.2 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1093.6 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 331.5 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले मे 595.2 मि.मी., बलौदाबाजार में 557.5 मि.मी., गरियाबंद में 530.3 मि.मी., महासमुंद में 543.2 मि.मी. और धमतरी में 519.6 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 686.8 मि.मी., मुंगेली में 680.6 मि.मी., रायगढ़ में 806.1 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 875.1 मि.मी., कोरबा में 720.6 मि.मी., गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 633.5 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 597.5 मि.मी., सक्ती में 735.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 515.8 मि.मी., कबीरधाम में 475.3 मि.मी., राजनांदगांव में 557.2 मि.मी., बालोद में 622.0 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 809.5 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 457.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 495.0 मि.मी., सूरजपुर में 825.7 मि.मी., जशपुर में 750.5 मि.मी., कोरिया में 743.0 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 711.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बस्तर संभाग में बस्तर जिले में 775.8 मि.मी., कोंडागांव में 493.4 मि.मी., नारायणपुर में 677.6 मि.मी., बीजापुर में 815.4 मि.मी., सुकमा में 504.7 मि.मी., कांकेर में 654.9 मि.मी., दंतेवाड़ा में 698.3 मि.मी. और औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

रक्षाबंधन पर 'बहनी मन संग राखी के तिहार' का आयोजन, मंत्री श्री देवांगन ने कोरबा की बहनों को भेजा आमंत्रण

रायपुर। प्रदेश के उद्योग एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा, रक्षाबंधन केवल एक धागा नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाला एक गहरा भावनात्मक बंधन है, जो हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा को जीवंत करता है। यह पर्व हमें सिखाता है कि रिश्तों को निभाना और एक-दूसरे के साथ खड़ा रहना हमारी सबसे बड़ी सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। इस शुभ अवसर पर मंत्री देवांगन ने जानकारी दी कि कोरबा जिले में 'बहनी मन संग राखी के तिहार' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कोरबा विधानसभा क्षेत्र की सभी बहनों को इस आयोजन में सादर आमंत्रित किया है। यह कार्यक्रम शनिवार 9 अगस्त को डी-1 बंगला, पंचवटी के पास, पंप हाउस रोड, कोरबा में, सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया है।

दंतेवाड़ा जिला के वनांचल शिक्षा सेवा प्रकल्प हीरानार पहुंचे उप मुयमंत्री विजय शर्मा

- शहीद गुण्डाधुर आवासीय छात्र परिसर एवं सरस्वती शिशु मंदिर का किया अवलोकन
- शालेय संस्था की मूलभूत आवश्यकताओं मांगों के संबंध में किया गया चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दंतेवाड़ा के गीदम विकासखण्ड अन्तर्गत ग्राम हिरानार में स्थित वंनाचल शिक्षा सेवा प्रकल्प संस्था में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का आगमन हुआ मूलतः सुदूर ग्रामीण अंचल के निवासरत ग्रामीण आदिवासी समुदाय के छात्रों के सर्वांगीण शैक्षणिक व्यक्तित्व विकास का समर्पित उक्त शालेय संस्था में वर्तमान में 102 छात्र अध्यनरत है। 23 एकड़ में विस्तारित इस संस्था में यहां मुख्यतः अंत्योदय वनवासी परिवारों के बच्चों को आवासीय शिक्षा और संस्कार की मुलभूत सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। वर्तमान में एलकेजी से कक्षा 10वीं तक की पढ़ाई सुविधा यहां दी जा रही है। यहां संस्था की प्राचार्य अनिता सोरी ने बताया कि इस शिक्षा सत्र में तीन नक्सल प्रभावित छात्रों ने भी यहां प्रवेश लिया है। इस क्रम उपमुख्यमंत्री शर्मा ने शालेय परिसर का अवलोकन करते हुए यहां शैक्षणिक दृष्टि से अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की संभावनाओं पर अधिकारियों से चर्चा किया। उक्त संस्था के विभाग समन्वयक संगम लाल पाण्डेय ने उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया कि 1998 में प्रारंभ हुई इस संस्था का मुख्य उद्देश्य वनवासी बच्चों को मूलभूत शिक्षा और भोजन, आवास, के साथ-साथ संस्कार शिक्षा देकर एक जिम्मेदार नागरिक बनाना रहा है। यहां सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक आवासीय विद्यालय में आस पास के लगभग 22 गांव के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे है। उन्होंने संस्थागत मांगों के तहत 200 बच्चों के क्षमता अनुरूप सभाकक्ष, संस्था के बाउंड्रीवाल में तार फेंसिंग,सैनिक स्कूल की स्थापना, छात्रावास मरम्मत, सौर पैनल के निर्माण जैसे विभिन्न मांगों से उपमुख्यमंत्री के सम्मुख रखा। इस पर शर्मा ने हर संभव प्रयास करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस क्रम उन्होंने शालेय परिसर में अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, डीएफओ सागर जाधव, अपर कलेक्टर राजेश पात्रे, सरस्वती शिशु मंदिर हीरानार प्राचार्य मौजूद रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकली भव्य रैली, पारंपरिक वेशभूषा में तीर-कमान के साथ पहुंचे समाजजन

रतलाम, (एजेंसी)। रतलाम में विश्व आदिवासी दिवस बड़े उत्साह और परंपरा के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शनिवार को हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में रैली निकालते हुए नजर आए। उनके हाथों में तीर-कमान, तलवार, फरसा और लाठियां थीं। रैली के दौरान युवा, महिलाएं और पुरुष डीजे की धुन पर पारंपरिक नृत्य करते हुए आगे बढ़े। रैली में भील प्रदेश और रतलाम निवेश क्षेत्र रद्द करने की मांग को लेकर समाजजन बैनर और तख्तियां लेकर चल रहे थे। जय जौहर और भारत देश हमारा के नारे गूंजते रहे।

रैली का रूट और डायवर्जन प्लान : रैली बाजना बस स्टैंड से शुरू होकर लक्कड़पीठा, चांदनी चौक, तोप खाना, हरदेवलाला की पीपली, रानी जी का मंदिर, नाहरपुरा कॉलेज रोड, नगर निगम तिराहा, छत्रीपुल, अंबेडकर सर्किल होते हुए नेहरू स्टेडियम (पोलोग्राउंड) पर समाप्त होगी। रक्षा बंधन को देखते हुए इस बार रैली का रूट बदला गया है। यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने डायवर्जन प्लान लागू किया है जो सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक प्रभावी रहेगा।

रूट डायवर्जन प्लान : ▸▸रैली मार्ग पर सभी प्रकार के दोपहिया, चारपहिया और हैवी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है।

▸▸सैलाना की ओर से आने वाले हैवी वाहन बंजली से आउटर रिंग रोड का उपयोग करेंगे। शिवगढ़ से बाजना बस स्टैंड की ओर आने वाले भारी वाहन वरोठ माता मंदिर से डायवर्ट किए जाएंगे।

▸▸झाबुआ रोड से संत रविदास नाका की ओर आने वाले भारी वाहन करमदी, सालाखेड़ी और बायपास मार्ग का उपयोग करेंगे।

▸▸सालाखेड़ी फंटा से फव्वारा चौक आने वाले वाहन प्रतापनगर पुलिया से डी-मार्ट होकर जाएंगे।

▸▸ट्रेफिक पुलिस ने जारी किया रैली का रुट व डायवर्जन प्लान।

▸▸ट्रेफिक पुलिस ने जारी किया रैली का रुट व डायवर्जन प्लान।

▸▸पार्किंग की व्यवस्था रैली व कार्यक्रम में भाग लेने वाले लोगों के लिए विशेष पार्किंग की व्यवस्था की गई है

▸▸उत्कृष्ट स्कूल, वन विभाग कार्यालय तिराहा

▸▸मिशन कंपाउंड, सैलाना बस स्टैंड

▸▸अमृत सागर पार्किंग व तालाब के पास

▸▸अंबेडकर ग्राउंड पार्किंग

▸▸पोलोग्राउंड के पास चौपाटी क्षेत्र, महाराजा सज्जन सिंह चौराहा

कार्यक्रम का मुख्य आयोजन : रैली के समापन के बाद मुख्य आयोजन पोलोग्राउंड में शाम 4 बजे होगा, जिसमें आसपास के क्षेत्रों ङ्क सैलाना, सरवन, बाजना, रावटी, शिवगढ़ और बिलपांक से बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल होंगे।

शराब दुकानें रहेंगी बंद : जिला कलेक्टर एवं दंडाधिकारी राजेश बाथम द्वारा 9 अगस्त को शुष्क दिवस घोषित किया गया है। इसके तहत शहर और ग्रामीण क्षेत्र की सभी शराब दुकानें शाम 5 बजे तक बंद रहेंगी।

क्लास में सोते हुए शिक्षक का वीडियो वायरल, छतरपुर के मवई घाट स्कूल के टीचर निलंबित; जिला शिक्षा अधिकारी ने जारी किया आदेश

छतरपुर, (एजेंसी)। छतरपुर के गौरिहार जनपद में शासकीय माध्यमिक शाला मवई घाट का एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में प्राथमिक शिक्षक मनोज कुमार पाल क्लास के दौरान कुर्सी पर सोते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि बच्चे कक्षा में बैठे हुए हैं।

जांच समिति की रिपोर्ट में दोषी पाया गया शिक्षक : वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी आरपी प्रजापति ने मामले की जांच के लिए एक टीम का बनाई। 6 अगस्त को विकासखंड शिक्षा अधिकारी गौरिहार से जांच की रिपोर्ट मिली। जांच में शिक्षक को दोषी पाया गया।

शिक्षक को किया निलंबित : जांच रिपोर्ट के अनुसार, शिक्षक ने अपने काम के दौरान लापरवाही बरती और कर्तव्य पालन नहीं किया। जिससे विभाग की छवि धूमिल हुई साथ ही स्कूल का शिक्षण कार्य और अन्य गतिविधियां भी प्रभावित हुई। इन सभी कारणों से मध्य प्रदेश सिविल सेवा आचरण अधिनियम 1965 के तहत शिक्षक मनोज कुमार पाल को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

श्रावण पूर्णिमा पर शिप्रा तट पर हुआ श्रावणी उपाकर्म, ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बदली जनेऊ; पितरों का किया तर्पण

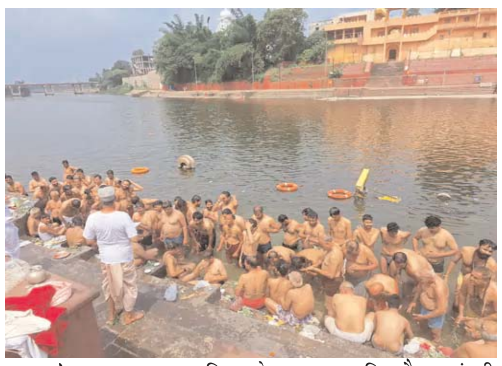

उज्जैन, (एजेंसी)। शनिवार को श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर मोक्षदायिनी शिप्रा तट पर ब्राह्मण समाज के बटुक और जनेऊधारी ब्राह्मणों ने श्रावणी उपाकर्म किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शिप्रा नदी में स्नान कर जनेऊ बदली गई। श्रावणी उपाकर्म के दौरान ब्राह्मणों ने अपने पितरों का तर्पण किया। इस विधि से जाने-अनजाने में हुए समस्त दोषों से मुक्ति के लिए प्रार्थना की जाती है। माना जाता है कि इस कर्म से देवता और पितृ प्रसन्न होते हैं। आचार्य हिमांशु व्यास ने बताया कि रक्षा बंधन का पर्व ब्राह्मणों के लिए विशेष महत्व रखता है। पूर्णिमा के दिन पुराने बंधन समाप्त होते हैं और नए सिरे से कार्य प्रारंभ होते हैं। यज्ञोपवित बदलने के लिए हेमाद्री कर्म किया जाता है। इस अवसर पर शुद्धि स्नान और प्रायश्चित का संकल्प किया जाता है। भगवान गणेश, भगवान विष्णु के साथ सप्तऋषि और अरुंधती देवताओं का पूजन होता है। फिर नया यज्ञोपवित धारण किया जाता है।

ब्राह्मण समाज द्वारा प्रत्येक वर्ष रक्षाबंधन पर यह कर्म शिप्रा नदी तट पर बड़े स्तर पर किया जाता है। इस वर्ष भी पूर्णिमा तिथि पर ब्राह्मण जन परंपरा का निर्वहन करने के लिए शिप्रा नदी तट पहुंचे और श्रावणी कर जनेऊ बदली।

सरपंच पति पर छोटे झाड़ की जमीन कब्जाने का आरोपःपटवारी ने पूछा तो बोला- पंचायत ने दी परमिशन; निर्माण कार्य रोका

खंडवा, (एजेंसी)। खंडवा जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत बोरगांव बुजुर्ग के सरपंच पति ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। राजस्व विभाग के तहत आने वाली छोटे झाड़ की जमीन पर सरपंच पति ने मकान का निर्माण भी शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने एसडीएम से शिकायत की तो पटवारी ने जांच के बाद काम रूकवा दिया। ग्राम पंचायत भवन के पीछे करीब 1500 स्वेक्यर फीट जमीन पर मकान निर्माण किया जा रहा था। मौके पर पहुंचे पटवारी अमोल सोनी की सरपंच नींबू बाई के पति मुकेश मोरे से बहस हो गई। पटवारी ने फोन पर मुकेश मोरे से कहा कि यह जमीन तो छोटे झाड़ की हैं, फिर कैसे निर्माण कार्य हो रहा हैं। जवाब में मोरे ने कहा कि, पंचायत से परमिशन ली हैं। तभी पटवारी के पास खड़े पंचायत सचिव ने किसी भी तरह की परमिशन से मना कर दिया। वहीं छोटे झाड़ की जमीन राजस्व विभाग के अधीन होते हैं। इस जमीन पर निर्माण की परमिशन ही नहीं दी जा सकती हैं।

सरपंच बोला- मेरे अकेले का कब्जा नहीं : ग्रामीणों ने पंधाना एसडीएम से शिकायत की, इसके बाद जांच के लिए पटवारी ने सरपंच पति मुकेश मोरे को निर्माण कार्य रोकने के निर्देश दिए। इस पर सरपंच पति ने कहा कि मेरे अकेले का कब्जा नहीं हैं। यहां 8-10 मकान पहले भी बन चुके हैं। सबके मकान टूटना चाहिए। पटवारी ने सख्त लहजे में कहा कि काम रोक दीजिए।

राजनीतिक द्वेष से शिकायत और कार्रवाई : सरपंच पति मुकेश मोरे ने कहा कि, मेरे खिलाफ राजनीतिक द्वैषता के कारण शिकायत की गई। मेरे विपक्षी और मुझसे चुनाव हार चुके लोग मेरे खिलाफ लगातार शिकायतें करते हैं।

नदी में डूबे चारों दोस्तों के शव बरामद, एक पांच बहनों का इकलौता भाई था; एक युवक की 3 महीने पहले शादी हुई

सागर, (एजेंसी)। जिले के सानौधा स्थित बेबस नदी में रक्षाबंधन से एक दिन पहले (8 अगस्त) नहाने गए पांच युवकों में से चार की डूबने से मौत हो गई। चारों दोस्त एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में खुद भी पानी में समा गए। इस हादसे के बाद परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाती रही, लेकिन अंधेरा और मुश्किल हालात के चलते रात में तलाशी अभियान रोकना पड़ा। नायब तहसीलदार बहादुर सिंह ने बताया कि शनिवार को सर्चिंग अभियान चलाकर रिछावर में नदी में डूबे चारों युवकों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

एक गहरे पानी में गया, बचाने में चारों डूबे : प्रत्यक्षदर्शी और पांचवें युवक अभिषेक अहिरवार ने पुलिस को बताया कि वह अपने चार दोस्तों सनी, राज, सुमित और निखिल के साथ नदी में नहा रहा था। इसी दौरान अचानक एक युवक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसे बचाने के लिए दूसरा कूदा, फिर तीसरा और फिर चौथा भी, लेकिन किसी को तैरना नहीं आता था। देखते ही देखते चारों डूब गए। अभिषेक ने शोर मचाकर आसपास मौजूद ग्रामीणों को बुलाया, लेकिन जब तक लोग पहुंचे, तब तक चारों पानी में समा चुके थे।

पांच बहनों का इकलौता भाई था निखिल : नदी में डूबने वालों में रिछावर निवासी 22 वर्षीय निखिल अहिरवार अपनी पांच बहनों का इकलौता भाई था। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनें राखी बांधने की तैयारी में जुटी थीं, लेकिन भाई के डूबने की सूचना मिलते ही खुशियां मातम में बदल गईं। वहीं, खुशीपुरा निवासी 22 वर्षीय सनी अहिरवार की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। रक्षाबंधन पर उसकी बहनें ससुराल से मायके आई थीं। मरने वालों में एक युवक रिछावर और तीन युवक खुशीपुरा गांव के रहने वाले थे। सभी की उम्र 22 से 25 वर्ष के बीच थी। सानौधा थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने बताया कि

रक्षाबंधन पर नर्मदापुरम में बसों में भीड़, मनमाने किराया वसूल रास्ते में छोड़ा, महिलाएं-बच्चे हुए परेशान; बस जब्त, ड्राइवर का लाइसेंस सस्पेंड

नर्मदापुरम, (एजेंसी)। रक्षाबंधन के त्योहारी सीजन में नर्मदापुरम जिले में बसों की कमी और अव्यवस्था से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बसों में क्षमता से अधिक भीड़, मनमाना किराया, बिना परमिट संचालन और परिवहन विभाग की ढिलाई ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा दोनों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार रात एक ऐसा ही मामला नर्मदापुरम में सामने आया, जब मालवीय ट्रेवल्स की एक बस (एमपी41पी1000) को अस्थाई पिकनिक परमिट पर भोपाल से चलाया गया। बस में 100 से अधिक यात्रियों को भरकर लाया गया, जिनसे प्रति यात्री ?150 किराया वसूला गया। हैरानी की बात यह रही कि रात 9ः45 बजे भोपाल चौराहे पर ही बस रोककर सभी यात्रियों को उतार दिया गया, जबकि यात्रियों को नर्मदापुरम बस स्टैंड ले जाने का वादा किया गया था।

महिला यात्रियों के साथ अभद्रता, बच्चों से वसूला पूरा किराया : बस में सफर कर रही महिला यात्रियों ने बताया कि न केवल क्षमता से अधिक सवारियां भरी गई, बल्कि कंडक्टर ने महिलाओं से अभद्र व्यवहार भी किया। लाड़ली बहना योजना की लाभार्थी रिंकी प्रजापति ने बताया कि वे सुबह से इंदौर से अपने बच्चों के साथ निकली थीं। भोपाल में भी घंटों इंतजार के बाद इस बस में जगह मिली, लेकिन उससे जुड़ा अनुभव बेहद कष्टदायक रहा। कंडक्टर ने उनसे ?150 प्रति यात्री के हिसाब से किराया लिया और छह साल के बच्चों का भी पूरा टिकट वसूला गया।

रिंकी प्रजापति ने कहा: मुख्यमंत्री जी ने हमें 250 रुपए का तोहफा दिया है, लेकिन बस ऑपरेटर वह तोहफा भी छीन रहे हैं। उनसे निवेदन है कि प्रदेश की बहनों को इस तरह की लूट से बचाया जाए।

आरटीओ देरी से पहुंची : जब यात्रियों ने हंगामा किया, तो कोतवाली थाना पुलिस के एसआई शरद बर्डे बल के साथ मौके पर पहुंचे। आरटीओ रिंकू शर्मा को सूचना दी गई थी कि बस अवैध तरीके से संचालित हो रही है और यात्रियों से मनमाना किराया वसूला जा रहा है। बावजूद बस आने के 45मिनट बाद आरटीओ शर्मा घटनास्थल पर रात 10ः30 बजे पहुंचीं। आरटीओ ने यात्रियों से बातचीत कर उनकी परेशानियां सुनीं और तत्काल कार्रवाई करते हुए बस को जब्त कर थाने में खड़ा कराया। साथ ही ड्राइवर का लाइसेंस सस्पेंड करने और परमिट निरस्त करने की घोषणा की।

लोगों ने जताई फर्जीवाड़े की आशंका : स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि जब बस का अस्थाई पिकनिक परमिट शाम 6:29 बजे जारी किया गया, तो उससे पहले ही क्यों यात्रियों को बस में बैठा लिया गया था? यदि बस के पास वैध परमिट था, तो यात्रियों को बस स्टैंड पर क्यों नहीं उतारा गया।

एनएसए मामले में लापरवाही पर हाईकोर्ट सख्तःराज्य सरकार पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

जबलपुर, (एजेंसी)। जबलपुर पुलिस द्वारा शातिर अपराधी अनुराग ठाकुर पर एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम) के तहत की गई कार्रवाई में लापरवाही सामने आने पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने राज्य सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने न केवल सरकार पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, बल्कि कहा कि केंद्र सरकार को सूचना दिए बिना ही एनएसए की अवधि का एक्सटेंशन लिया गया है, जो कानून के विरुद्ध है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। शुक्रवार को जस्टिस विवेक अग्रवाल और जस्टिस एके सिंह की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता अनुराग ठाकुर की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एनएसए एक्सटेंशन के लिए केंद्र सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य है, जो सात दिन के भीतर होनी चाहिए, लेकिन पुलिस ने इस मामले में यह प्रक्रिया पूरी नहीं की। इतना ही नहीं, भारत सरकार को सूचना दिए बिना ही अवधि बढ़ा दी गई। इस प्रकरण में हाईकोर्ट ने सरकार से जल्द से जल्द जवाब मांगा है।

सरकार याचिकाकर्ता को देगी 50 हजार रुपए : याचिकाकर्ता की ओर से सीनियर अधिवक्ता मनीष दत्त ने तर्क दिया कि पुलिस ने कानूनी प्रावधानों का पालन किए बिना एनएसए की अवधि बढ़ाई, जो पूरी तरह गलत है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि राज्य सरकार 15 दिन के भीतर याचिकाकर्ता को जुर्माना राशि के 50 हजार रुपए का भुगतान करे।

अनुराग के खिलाफ 18 अपराध दर्ज : पुलिस के अनुसार थाना कोतवाली अंतर्गत सिंघई कॉलोनी दीक्षितपुरा निवासी अनुराग ठाकुर (27) के खिलाफ अब तक 18 अपराध दर्ज हैं, जिनमें हत्या समेत कई गंभीर मामले शामिल हैं। वर्ष 2014 से लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अनुराग शहर में दहशत फैला रहा था, जिसके चलते उसे एनएसए के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता अभियान, रायसेन में उत्कृष्ट विद्यालय में तिरंगा स्लोगन प्रतियोगिता और रैली का आयोजन

रायसेन, (एजेंसी)। रायसेन में हर घर तिरंगा और हर घर स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नगर पालिका और उत्कृष्ट विद्यालय ने मिलकर कार्यक्रमों का आयोजन किया। इस दौरान तिरंगा स्लोगन प्रतियोगिता, तिरंगा रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

15 अगस्त तक चलेगा अभियान : नगर पालिका के सिटी मैनेजर ने बताया कि यह अभियान 15 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान सभी सरकारी कार्यालयों, स्कूलों, संस्थाओं और घरों में तिरंगे लगाए जाएंगे। यह आयोजन स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के साथ मनाने के उद्देश्य से किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति चौहान के साथ पवन सोनी और राजेश जोशी भी मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर पुलिस ने दिया रक्षा कवच-बाइक चालकों को दिए फ्री हेलमेट, नशा न करने और ट्रैफिक नियमों के पालन का सिखाया पाठ

बुरहानपुर, (एजेंसी)। बुरहानपुर में खकनार थाना पुलिस ने रक्षाबंधन के मौके पर एक अनोखी पहल की। पुलिस ने बाइक चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए मुफ्त हेलमेट बांटे किए। साथ ही लोगों से हमेशा हेलमेट पहनने की अपील की।

बाइक चालकों को राखी भी बांधी : थाना प्रभारी निरीक्षक अभिषेक जाधव ने इस अवसर पर बाइक चालकों को राखी बांधी और उन्हें हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कृष्णा साई होंडा न्यू मोटर्स के सहयोग से चालकों को मुफ्त हेलमेट वितरित किए गए।

नशे से दूर रहने और हेलमेट पहनने की अपील की : थाना प्रभारी ने अपील की कि इस रक्षाबंधन पर बहनें अपने भाइयों को एक हेलमेट उपहार में दें और उनसे हेलमेट पहनकर मोटरसाइकिल चलाने का वचन लें। साथ ही, पुलिस ने नशीले पदार्थों के सेवन और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रहने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस पहल का उद्देश्य यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क सुरक्षा को सुनिश्चित करना था।

कार की टक्कर से 10 फीट दूर गिरा चालक, राजगढ़ में युवक के हाथ-पैर और सिर में चोट; पेट्रोल पंप जाते समय हादसा

राजगढ़, (एजेंसी)। राजगढ़ में एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दो पहिया वाहन चालक 10 फीट दूर जाकर फिका। उसके सिर और हाथ-पैर में चोट आई है। उसकी जान बच गई। घटना राजगढ़ के खिलचीपुर में 4 अगस्त की है। इसका आज वीडियो सामने आया है। सोमवार दोपहर करीब 1:15 बजे एसडीएम कार्यालय के पास श्रीनाथ पेट्रोल पंप के सामने हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज शुक्रवार को सामने आया है। घायल युवक सागर सोनी (26) निवासी खिलचीपुर ने बताया कि वह किसी काम से एसडीएम कार्यालय आया था। वहां से पेट्रोल भरवाने के लिए करीब 200 मीटर दूर स्थित श्रीनाथ पेट्रोल पंप जा रहा था। पंप के सामने डिवाइडर से जैसे ही उसने टर्न लिया, उसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही सफेद रंग की कार ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह लगभग 10 फीट दूर उछलकर गिरा और बेहोश हो गया। कार चालक मौके से बिना रुके फरार हो गया। राहगीरों ने तत्काल सागर को अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद वह घर लौट आया। सिर में अभी भी दर्द बना हुआ है। डॉक्टर ने उसे बाहर चेकअप कराने की सलाह दी है। सागर ने शुक्रवार को खिलचीपुर थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई। सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा है कि कार चालक टक्कर के बाद भी रुका नहीं और सीधे भाग निकला। पुलिस अब फुटेज के आधार पर कार चालक की तलाश कर रही है।

क्रिकेटरों ने सोशल मीडिया पर रक्षाबंधन के दिल को छू लेने वाले पल साझा किए

नई दिल्ली, ऐजंसी । रक्षाबंधन का उत्साह क्रिकेट जगत में भी देखने को मिला, क्योंकि कई भारतीय सितारों ने अपनी बहनों के साथ बिताए खास पलों को सोशल मीडिया पर साझा किया। हंसी-मजाक से लेकर हार्दिक शुभकामनाओं तक, पोस्ट्स में इस त्योहार के अनोखे बंधन की झलक दिखाई दी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने प्रशंसकों को अपने जश्न की एक झलक दी, इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की एक श्रृंखला पोस्ट की, जिसमें उनके और उनकी बहन के बीच प्यार और शरारत का मिश्रण पूरी तरह से कैद है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, आखिरी तस्वीर हमारे रिश्ते को बयां करती है। रक्षाबंधन की शुभकामनाएं। सूर्यकुमार यादव ने अगले महीने होने वाले एशिया कप से पहले रिकवरी के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी है। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले श्रेयस अय्यर ने इंस्टाग्राम पर अपनी बहन के साथ एक तस्वीर पोस्ट की।

भारत अपनी उपलब्धियों का प्रदर्शन करेगा, एपीसी महासभा से पहले झाझरिया

नई दिल्ली, ऐजंसी । भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने घोषणा की है कि एशियाई पैरालंपिक समिति की आम सभा 10 से 15 अगस्त तक कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित की जाएगी। प्रतिष्ठित बैठक में भारत के अध्यक्ष और महासचिव सहित 45 एशियाई देशों के राष्ट्रीय पैरालंपिक समितियों के अध्यक्ष एक साथ आएंगे।

झाझरिया ने कहा, एशियाई पैरालंपिक समिति की आम सभा की बैठक 10 से 15 अगस्त तक कजाकिस्तान के अस्ताना में होगी। इसमें भारत के अध्यक्ष और महासचिव सहित 45 एशियाई देशों के राष्ट्रीय पैरालंपिक समितियों के अध्यक्ष भाग लेंगे... बैठक में एशिया के सर्वश्रेष्ठ जूनियर और सीनियर स्तर के एथलीटों, पुरस्कार समारोहों और पैरा-खेलों को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी। भारत की भूमिका के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि देश इस मंच का उपयोग पैरा-खेलों में अपनी उपलब्धियों को प्रदर्शित करने, पैरा-अनुकूल खेल सुविधाओं के निर्माण पर प्रकाश डालने तथा दिव्यांग एथलीटों को दिए जाने वाले मजबूत सरकारी समर्थन को रेखांकित करने के लिए करेगा। उन्होंने कहा, भारत पैरा-खेलों, पैरा-अनुकूल मैदानों के विकास और सरकारी समर्थन में अपनी उपलब्धियों को उजागर करेगा। भारत की प्रस्तुति का मुख्य फोकस 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक होने वाली पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी की तैयारियों पर होगा। इसमें 100 से अधिक देशों के भाग लेने की उम्मीद है, झाझरिया ने इसे इतिहास का सर्वश्रेष्ठ संस्करण बनाने का विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत 27 सितंबर से 5 अक्टूबर तक पैरा विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा, जिसका लक्ष्य 100 से अधिक देशों की भागीदारी के साथ इसे इतिहास में सर्वश्रेष्ठ बनाना है इस प्रतिष्ठित आयोजन में 45 एशियाई राष्ट्रीय पैरालंपिक समितियों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ एथलीट, प्रतिनिधि, एपीसी कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, स्थायी समितियाँ, अंतर्राष्ट्रीय महासंघ, खेल आयोजन समितियाँ और वैश्विक खेल संगठन भी शामिल होंगे।

तुर्कमेनिस्तान को हराने के बाद भारत की अंडर-20 महिला टीम एशियाई क्वालीफायर में आगे

यांगून, ऐजंसी । भारत की अंडर-20 महिला राष्ट्रीय टीम ने म्यांमार के यांगून स्थित थुवुन्ना स्टेडियम में एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 क्वालीफायर के अपने दूसरे ग्रुप डी मैच में तुर्कमेनिस्तान को 7-0 से हरा दिया। एआईएफएफ की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, हाफ टाइम तक भारत 5-0 से आगे था। इस परिणाम के साथ, यंग टाइग्रेसेज़ चार अंक और सात गोल अंतर के साथ ग्रुप डी में शीर्ष पर पहुँच गई। मेज़बान म्यांमार, जिसने पहले इंडोनेशिया के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था, उतने ही अंक और पाँच गोल अंतर के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत की कप्तान शुभांगी सिंह (7%, 42%) और विंगर सुलंजना राउल (38%, 90+4%) ने एक-एक गोल किया, जबकि सिबानी देवी नोंगमीकापम (14%), थोइबिसाना चानू तोइजाम (35%) और पूजा (65%) ने एक-एक गोल किया।

अपने पहले मैच में इंडोनेशिया के खिलाफ निराशाजनक गतिरोध के बाद, भारत तुर्कमेनिस्तान के खिलाफ अपनी स्थिति सुधारने के लिए बेताब था और शुरू से ही विरोधियों पर भारी पड़ा। सुलंजना के सातवें मिनट में मिले कॉर्नर पर शुभांगी ने छह गज के बॉक्स के अंदर गेंद डाली और भारतीय कप्तान ने नज़दीकी रेंज से गोल कर दिया।

ठीक सात मिनट बाद सिबानी ने बढ़त दोगुनी कर दी। नेहा के बाएँ से आए क्रॉस ने तुर्कमेनिस्तान की गोलकीपर एलनुरा मकसुतोवा को छुआ, और पूजा ने क्लीयरेंस को रोक दिया, जो सिबानी के पास पहुँचकर गोल करने में कामयाब रही।

इसके बाद से पूरी टीम भारत के ही हाथों में रही, और जोआकिम एलेक्ज़ेंडरसन द्वारा प्रशिक्षित यंग टाइग्रेसेज़ ने लगातार आक्रमण किया। थोइबिसाना ने आधे घंटे के बाद तीसरा गोल किया, जब उन्होंने छह गज के बॉक्स के अंदर से सुलांजना के एक और कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद सुलांजना ने भी अपना एक और गोल कर दिया, जब रेमी थोकचोम ने तुर्कमेनिस्तान की रक्षात्मक रेखाओं के बीच से गेंद को गोलपोस्ट के पास पहुँचाया और सुलांजना ने उसे गोलकीपर के पास से खिसका दिया। भारत अंडर-20 टीम के कप्तान ने हाफ टाइम की सीटी बजने से पाँच मिनट पहले गोल कर दिया, लेकिन भारत का खेल अभी खत्म नहीं हुआ था। बड़े स्कोर के बावजूद, यंग टाइग्रेसेज़ दूसरे हाफ में अपना गोल अंतर बढ़ाने के इरादे से उतरी। हालाँकि, तुर्कमेनिस्तान ने सबक सीख लिया था और नुकसान कम करने की कोशिश में जुट गया था। पीछे से उनकी कोशिशों के बावजूद, भारत ने दो और गोल दागे, पूजा और स्थानापन्न सुलंजना ने, और नज़दीकी रेंज से दो टैप-इन गोल दागे। हालाँकि इस नतीजे से भारत तालिका में शीर्ष पर है, लेकिन रविवार को मेज़बान म्यांमार के खिलाफ अपने आखिरी मैच में उसे कड़ी मेहनत करनी होगी।

डेनिक लालरुअट्टलुआंगा प्रो पंजा लीग सीज़न 2 के पहले 80 किग्रा स्टार बने

ग्वालियर, ऐजंसी । प्रो पंजा लीग सीज़न 2 का चौथा दिन मुख्य कार्ड आर्म रेसलिंग प्रतिभागियों के लिए एक शानदार रोमांच के साथ समाप्त हुआ। एक रोमांचक मुकाबले में, किराक हैदराबाद के असकर अली और डेनिक लालरुआतलुआगा ने अपने उच्च तीव्रता वाले मुकाबले में आश्चर्यजनक मोड़ लाए और मुख्य खिताब के लिए आने वाले आर्म रेसलरों के लिए अपार प्रत्याशा पैदा की। सह-संस्थापक परवीन दबास और प्रीति झंगियानी की उपस्थिति से उत्साह और बढ़ गया, जिन्होंने अंडरकार्ड और मुख्य कार्ड दोनों श्रेणियों में दर्शकों का सक्रिय रूप से समर्थन किया, किराक हैदराबाद के सतनाम सिंह ने 0.2 सेकंड का सबसे तेज आर्म रेसलिंग पिन रिकॉर्ड हासिल किया, जिसे कई लोगों ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ आयोजन बताया। प्रो पंजा लीग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, रोहतक राउडीज के अर्श विर्क और एमपी हथौडास के रिनो थॉमस के बीच 90 किलोग्राम भारवर्ग का मुकाबला अब तक का सबसे रोमांचक मनोरंजन रहा, जिससे प्रो पंजा लीग ने ग्वालियर में आर्म रेसलिंग के इतिहास में मुख्य कार्ड भागीदारी के लिए अपने पहले पांच राउंड की मेजबानी की। अंडरकार्ड श्रेणी के शुरुआती मुकाबले में, किराक हैदराबाद ने मुंबई मसल के खिलाफ तीन में से दो मैचों में जीत हासिल की। किराक हैदराबाद के जगदीश बरुआ ने 100 किलोग्राम भार वर्ग में मुंबई मसल के प्रमोद मुखी को 2-0 से हराया। वहीं, मुंबई मसल के तेजा पीजे ने 55 किलोग्राम भार वर्ग में किराक हैदराबाद की सविता कुमारी को 2-0 से हराया। इसके बाद जिंसी जोस ने 65 किलोग्राम+ भार वर्ग में मुंबई मसल की दशमीत कौर को 2-0 से हरा दिया। इसके बाद, रोहतक राउडीज़ का मुकाबला एमपी हाथोदास से हुआ। रोहतक राउडीज़ के राहुल नायक ने 60 किलोग्राम भारवर्ग में एमपी हाथोदास के सुजीत कुमार को 2-0 से हराया, लेकिन एमपी हाथोदास ने भी जोरदार वापसी की। 55 किलोग्राम भारवर्ग में एमपी डारी को 2-0 से हराया।

शीर्ष डिफेंडरों और बेहतरीन रेडरों से सजी पटना पाइरेट्स की नजर रिकॉर्ड चौथी पंचकूला ट्रॉफी जीतने पर

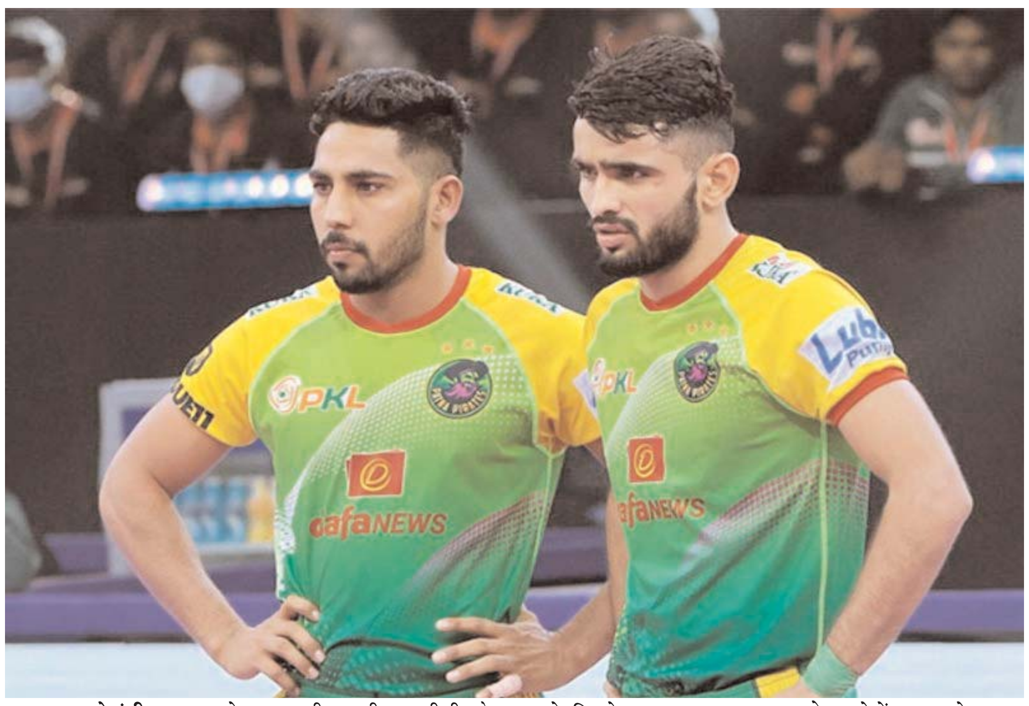

पटना, ऐजंसी । पटना पाइरेट्स आगामी सीजन 12 में रिकॉर्ड-चौथा प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) खिताब जीतने का लक्ष्य रखेगा। पीकेएल की एक विज्ञप्ति के अनुसार, तीन बार के चैंपियन ने पिछले सीजन में अपने पांचवें पंचकूला फाइनल में प्रवेश किया था, लेकिन हरियाणा स्टीलर्स से हार गए थे।

अपनी चौथी पंचकूला ट्रॉफी से चूकने के बाद, पाइरेट्स ने सीजन 11 के फाइनल के कुछ ही घंटों बाद पूर्व मुख्य कोच नरेंद्र रेड्डी को रिलीज कर दिया। सीज़न 12 से पहले, पाइरेट्स ने नरेंद्र रेड्डी की जगह पूर्व भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान अनूप कुमार को अपना नया मुख्य कोच नियुक्त किया। अनूप भारतीय राष्ट्रीय कबड्डी टीम के सदस्य थे, जिसने 2010 और 2014 में एशियाई स्वर्ण पदक, दक्षिण एशियाई स्वर्ण पदक और 2016 में कबड्डी विश्व कप जीता था। अर्जुन पुरस्कार विजेता ने पहले तीन सत्रों में यू मुम्बा को प्रो कबड्डी लीग के फाइनल में पहुंचाया, जिसमें सीजन 2 में प्रतिष्ठित पंचकूला खिताब का दावा करना भी शामिल था, इससे पहले उन्होंने जयपुर पिंक पैंथर्स के साथ अपने शानदार पंचकूला करियर का समापन किया था। पिछले सीज़न के अपने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखते हुए, पाइरेट्स ने पंचकूला सीज़न 12 की खिलाड़ी नीलामी में आठ नए खिलाड़ियों को अनुबंधित किया और एक मज़बूत टीम तैयार की, जिसने कुल 4.966 करोड़ रुपये में ज़्यादातर बेस कवर किए। आइए नए सीज़न से पहले पाइरेट्स की मज़बूतियों और कमज़ोरियों पर एक नज़र डालते हैं। ंचकूला सीज़न 12 में पाइरेट्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी मज़बूत डिफेंसिव यूनिट होगी। अपने डिफेंडर्स हामिद मिर्ज़ाई नादेर, त्यागराजन युवराज और नवदीप को रिटेन करने के बाद, पाइरेट्स ने खिलाड़ियों की नीलामी में फ़ाइनल बिड मैच (स्नक्रू) विकल्प का इस्तेमाल करते हुए अपने स्टार लेफ्ट कॉर्नर अंकित जगलान को एक सीज़न के लिए 1.573 करोड़ रुपये में रिटेन किया ताकि उनकी डिफेंस मज़बूत हो सके। 25 मैचों में अहम भूमिका निभाई थी।

यूएस ओपन — पूर्व विश्व नंबर 2 पाउला बडोसा चोट के कारण बाहर, जिल टेइचमैन मुख्य ड्रा में शामिल

न्यू यॉर्क, ऐजंसी । स्पेन की टेनिस स्टार और पूर्व विश्व नंबर 2 पाउला बडोसा ने पीठ की चोट से उबरने के लिए यूएस ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।

विश्व नंबर 12 बडोसा पिछले कुछ समय से चोटों से जूझ रही हैं, जिनमें उनकी पुरानी कमर की समस्या भी शामिल है, जिसके चलते उन्होंने संन्यास पर भी विचार किया था। पिछले महीने उन्होंने एक और पीठ की चोट के कारण कुछ हफ्तों के लिए कोर्ट से दूर रहने की घोषणा की थी। बडोसा ने आखिरी बार विंबलडन में खेला था, जहां उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें प्सोआस मांसपेशी (जो कमर को पैर के ऊपरी हिस्से से जोड़ती है) में खिंचाव आ गया है। बडोसा के हटने के बाद, स्विट्जरलैंड की जिल टेइचमैन अब यूएस ओपन के मुख्य ड्रा में खेलेंगी। टूर्नामेंट में एकल मुकाबले 24 अगस्त से शुरू होंगे। इसके अलावा बडोसा को टूर्नामेंट के नए मिक्स्ड डबल्स इवेंट से भी हटना पड़ा है, जिसमें वह ब्रिटेन के जैक ड्रेपर के साथ जोड़ी बनाने वाली थीं।

निहारिका सिंघानिया ने नेशनल इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग में पोडियम फिनिश के साथ चमक बिखेरी

मुंबई, ऐजंसी । बेंगलुरु में आयोजित प्रतिष्ठित इक्वेस्ट्रियन प्रीमियर लीग (ईपीएल) के रोमांचक समापन में, देश के तीन शीर्ष सवारों, निहारिका सिंघानिया, यश नेन्सी और यशान खंबाटा ने शनिवार को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल करने के लिए असाधारण कौशल और धैर्य का प्रदर्शन किया। प्रीमियर 1.40 मीटर शो जंपिंग वर्ग में शीर्ष स्थान के लिए टाई भारतीय घुड़सवारी खेलों में प्रतिभा की अविश्वसनीय गहराई को उजागर करता है। देश भर से आए 130 से ज़्यादा प्रतिभागियों के चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा करते हुए, तीनों ने तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण कोर्स को बखूबी पार किया। तीनों एथलीटों ने एकदम स्पष्ट राउंड दिए, जिससे उन्हें अलग करना असंभव हो गया और परिणामस्वरूप एक सुयोग्य साझा जीत हासिल हुई। भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विजयी साझेदारियों में असाधारण घुड़सवार और उनके समान रूप से उल्लेखनीय घोड़े शामिल हुए, जिनमें सर लैंसलॉट के साथ निहारिका सिंघानिया, डीअमोर डू नेनुफर पर सवार यश नेन्सी और लॉर्ड स्टाकोलेंस्की पर यशान खंबाटा शामिल थे।

निहारिका के लिए, बेंगलुरू में यह उपलब्धि बेल्जियम में हाल ही में स्वर्ण पदक जीतने के बाद आई है, जिससे उनके लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन की पुष्टि होती है। ईपीएल में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए, निहारिका ने कहा, ÷यह अविश्वसनीय राइडर्स के साथ एक कठिन, प्रतिस्पर्धी क्लास था, और मैं यश और यशन के साथ यह शीर्ष स्थान साझा करके रोमांचित हूँ। दोनों के राउंड शानदार रहे। हर प्रतियोगिता एक सीखने का अनुभव है, और यह परिणाम मुझे और अधिक प्रशिक्षण लेने और अगली चुनौती के लिए लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित करता है। मुंबई स्थित घुड़सवारों की सफलता एमेच्योर राइडर्स क्लब (एआरसी) जैसे क्लबों से उभरती हुई मज़बूत प्रतिभा को दर्शाती है, जिसने इस आयोजन में कई पदक जीते। एम्बेसी इंटरनेशनल राइडिंग स्कूल (ईआईआरएस) द्वारा आयोजित ईपीएल, राष्ट्रीय घुड़सवारी कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण आयोजन है, और इन घुड़सवारों का इतने उच्च स्तर पर प्रदर्शन उनके समर्पण और कौशल को दर्शाता है। यह जीत न केवल एथलीटों के लिए एक व्यक्तिगत जीत है, बल्कि महत्वाकांक्षी घुड़सवारों के लिए एक शक्तिशाली प्रेरणा के रूप में कार्य करती है, जो विशिष्ट अंतरराष्ट्रीय खेलों में युवा भारतीयों की बढ़ती हुई क्षमता को उजागर करती है।निहारिका की उपलब्धि दृढ़ता और कड़ी मेहनत के मूल्यों का प्रमाण है।

जेल में बंद भाइयों को 708 बहनों ने राखी बांधी

रक्षाबंधन पर आरती उतारकर मिठाई खिलाई; परिवार को देख आंखों में आए आंसू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। केंद्रीय जेल में रक्षाबंधन का त्योहार कड़ी सुरक्षा के बीच मनाया गया। सतना और आसपास के जिलों से बहनें सुबह से ही जेल पहुंचने लगी थीं। जेल प्रशासन ने राखी के त्योहार के लिए व्यापक प्रबंध किए थे। सतना, मैहर, रीवा, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़ और सीधी से आई बहनों ने अपने बंदी भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी सलामती की दुआ मांगी। जेल में जिलेवार बंदियों और उनके परिजनों के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे।

दोपहर 2 बजे तक 708 बहनों ने भाई से मिलने और राखी बांधने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। यह सिलसिला शाम 4 बजे तक चला। जेल में ही मिठाई का प्रबंध किया गया था। किसी को भी बाहर से मिठाई लाने की इजाजत नहीं थी। सुरक्षा के मद्देनजर मोबाइल काउंटर पर जमा करा लिए गए। कई बंदियों के अन्य परिजन भी त्योहार पर खुशियां बांटने जेल पहुंचे।

कड़ी सुरक्षा जांच के बाद जब बहनें अंदर पहुंचीं और बंदियों ने अपनों को देखा तो दोनों की आंखें छलक आईं। बहनों ने अपने भाइयों के माथे पर तिलक किया। उनकी आरती उतारी और कलाई पर राखी बांधकर मुंह मीठा कराया। कई बंदियों के बच्चे, भांजे और नाती-पोते भी त्योहार के मौके पर जेल पहुंचे थे। बंदियों ने उन्हें गले लगाकर सुकून महसूस किया। इस दौरान जेल अधीक्षक लीना कोष्टा ने भी कई बहनों को ढांढस बंधाया। जेल अधीक्षक के साथ जेल उप अधीक्षक अभिमन्यु पांडेय समेत अन्य स्टाफ लगातार व्यवस्था में लगा रहा।

सर्पदंश से हर साल 50 लोग गंवा रहे जान, स्वास्थ्य विभाग ने मंगाए 1600 एंटी स्नेक वेनम डोज

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में इन दिनों सर्पदंश के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसको देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) और जिला अस्पताल के सिविल सर्जन ने एमपी पब्लिक हेल्थ सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड से 1600 अतिरिक्त एंटी स्नेक वेनम डोज मंगाए हैं।

जिला अस्पताल में 41 डोज शेष: पिछले 10 दिनों में ही ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 डोज बांटे जा चुके हैं, जबकि सीएमएचओ स्टोर में 800 डोज बची हैं। जिला अस्पताल में सात दिन के अंदर 200 डोज उपयोग होने के बाद सिविल सर्जन के स्टोर में केवल 41 डोज शेष हैं। ऐसे में तत्काल 500 डोज आरकेएस से खरीदने का निर्णय लिया गया है।

हर साल सांप के काटने से 50 लोग तोड़ रहे दम: जिले में एंटी स्नेक वेनम की सालाना खपत करीब 4000 डोज होती है और सावन में इसकी मांग सबसे अधिक रहती है। हर साल यहां 400 से ज्यादा सर्पदंश के मामले आते हैं, जिनमें से 50 से अधिक लोगों की मौत हो जाती है।

गोल्डन ऑवर में इलाज जरूरी

बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, नाली से जल निकासी को लेकर हुआ विवाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के नेबूहा गांव में पानी निकासी को लेकर शुरू हुआ विवाद में शुक्रवार रात एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। मामूली कहासुनी के बाद मामला इतना बढ़ा कि एक पक्ष ने रॉड, लाठियों और धारदार हथियारों से हमला कर 61 वर्षीय श्यामलाल यादव की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद से गांव में तनाव का माहौल है और परिजन आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। घटना के बाद शनिवार सुबह शव का जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पानी की निकासी को लेकर हुआ था झगड़ा: मृतक के बेटे छोटेलाल यादव ने बताया कि उनके पिता श्यामलाल यादव घर के सामने भरे पानी को नाली के रास्ते निकालने की कोशिश कर रहे थे। इसी बात पर पड़ोस में रहने वाले प्रीतम सिंह (40) समेत अन्य से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ते-बढ़ते हिंसक झगड़े में बदल गया। आरोप है कि प्रीतम सिंह अपने साथियों के साथ लाठी, रॉड और कुल्हाड़ी लेकर आया और श्यामलाल यादव को घर से बाहर खींचकर बेरहमी से पीटा। घायल अवस्था में उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। वारदात के बाद से ही आरोपी फरार है।

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पूरे उल्लास और उमंग के साथ मनाया जाएगा। मुख्य समारोह एसएएफ मैदान में सुबह 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग एसएएफ मैदान में परेड तथा अन्य कार्यक्रमों के लिए मैदान को समतल करके पूरी तरह से तैयार कर दें।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग पर लगेगा अंकुश

कार्रवाई के लिए तीन उड़नदस्ते गठित, ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे भी शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन के नियंत्रक दिनेश कुमार मौर्य ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में जांच तेज करने के उद्देश्य से तीन विशेष उड़नदस्ता (फ्लाइंग स्क्वॉड) दल गठित किए हैं। इन दलों के जरिए संदिग्ध मेडिकल स्टोर्स, गोदामों और आपूर्तिकर्ताओं पर निगरानी रखी जाएगी।

उड़नदस्ते में सतना की ड्रग इंस्पेक्टर शामिल: तीसरे उड़नदस्ते में सतना की ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे को शामिल किया गया है। उन्हें सतना के साथ-साथ शहडोल जिले की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। उनके साथ डीआई शरद जैन (जबलपुर) और बिहारी लाल अहिरवार (सिंगरौली) को भी टीम में शामिल किया गया है।

पहले उड़नदस्ते को रीवा, सीधी और सिंगरौली के लिए नियुक्त किया गया है। इसमें औषधि निरीक्षक सोनम जैन (सागर), राधेश्याम बट्टी और रेशु ठाकुर (दोनों रीवा) तथा बिहारी लाल अहिरवार को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

वहीं, दूसरे दल में अनूपपुर और उमरिया जिले के लिए देवेंद्र जैन (जबलपुर), दीपक नामदेव (टीकमगढ़) और प्रमोद कुलेश (अनूपपुर) को शामिल किया गया है।

प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए 8 अगस्त को इन विशेष जांच दलों का गठन किया है। इन दलों की मदद से नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर सख्त नियंत्रण और आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रदेश में नशीली दवाओं की आसान उपलब्धता को रोका जाए और युवाओं को इस खतरे से सुरक्षित रखा जाए।

केंद्रीय जेल पहुंची 4000 बहनें, शाम तक जारी रहा सिलसिला, सुबह 7 बजे से शुरू हुआ था पंजीयन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केंद्रीय जेल में 4000 से अधिक बहनों ने अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। हालांकि कैदियों की संख्या 2300 के आसपास है। पर रक्षाबंधन पर बहनों का उत्साह देखते ही बना।केंद्रीय जेल के भीतर 7 अलग-अलग जिलों के स्थान बनाए गए गए थे। कार्यक्रम स्थल सीसीटीवी कैमरे से लैश था। बहनों और भाइयों को पहले पंजीयन फिर गहन चेकिंग के बाद ही अंदर प्रवेश दिया जा रहा था। रक्षाबंधन में महिलाओं की संख्या को देखते हुए महिला पुलिस बल तैनात किया था। हल्दी, रोली, चंदन, शुद्ध पेयजल, चलित शौचालय की व्यवस्था जेल प्रबंधन ने की। उमस के चलते बढ़ी गर्मी और महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई थी। जेल अधीक्षक एसके उपाध्याय समेत दो उप जेल अधीक्षक पूरे कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे थे। पंजीयन सुबह साढ़े 7 बजे से ही शुरू हो गया। वैसे यह मुलाकात 2 बजे ही समाप्त हो जानी थी। कैदियों की बहनों की तादाद देखते हुए जेल प्रबंधन ने यह निर्णय लिया कि सायं कालीन फाइनल लॉकअप खत्म होने तक पंजीयन करा चुकी बहनों के कैदी भाईयों से मुलाकात का सिलसिला जारी रहेगा। जेल अधीक्षक एसके उपाध्याय ने बताया कि दो दिन पहले से ही कार्यक्रम को लेकर तैयारी शुरू कर दी गई थी। आखिरी में दिन भर चले मुलाकात के दौर में महिला बंदियों से मिलने पुरुष भाइयों को भी मौका दिया गया। बहनों के केंद्रीय जेल पहुंचने का सिलसिला सुबह से शुरू हुआ जो देर रात तक जारी रहा।

रक्षाबंधन पर बाजारों में भारी भीड़, सड़कों पर लंबा जाम; मिठाई दुकानों पर लगी लाइन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। विंध्य की इकलौती स्मार्ट सिटी सतना में रक्षा बंधन त्योहार के चलते सर्किट हाउस चौक से सेमरिया चौक तक सुबह से ही जाम के हालात बने रहे। मिठाई और राखी की खरीदारी के लिए रीवा रोड की दुकानों पर भारी भीड़ उमड़ी। शहर के रीवा-पन्ना रोड पर भी अत्यधिक यातायात देखने को मिला। मुख्य बाजार में फुटपाथ पर सामान रखे जाने और पार्किंग की वजह से संकरी गलियां जाम में फंस गईं, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई।

रेलवे स्टेशन पर यात्रियों का हुजूम: त्योहार की वजह से रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ गई है। शुक्रवार की रात से ही प्लेटफार्मों पर खचाखच भीड़ नजर आई। महानगरों से लोग अपने घर वापस लौट रहे हैं, जिससे जनरल और स्लीपर कोच में जगह नदारद है। कई यात्री मजबूरन गैलरी और गेट पर बैठकर सफर कर रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी, स्टेशन पर सर्चिंग अभियान: भीड़ बढ़ने के चलते रेलवे पुलिस बलों ने यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशन पर सर्चिंग अभियान चलाया। आरपीएफ पोस्ट प्रभारी बीरेन्द्र कुमार यादव और जीआरपी चौकी प्रभारी राजेश राज ने यात्रियों को सतर्क रहने और अपने सामान की सुरक्षा खुद करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मोबाइल चार्जिंग के दौरान भी सावधानी बरतें क्योंकि भीड़-भाड़ में मोबाइल और अन्य सामान की चोरी का खतरा रहता है। त्योहार के मद्देनजर यातायात व्यवस्था सुधारने और यात्रियों की सुरक्षा के लिए संबंधित विभाग सतर्क हैं।

नाला सफाई के दौरान 3 को लगा करंट, लोहे की सरिया बिजली की तार से टच हुई; 2 की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। शनिवार सुबह करीब 8 बजे गर्भधा तालाब के पास रेलवे पुलिया के नजदीक सफाईकर्मी नाला सफा कर रहे थे। सफाई के दौरान करंट लगने से नगर पालिका के तीन सफाई कर्मी घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने नाले में कचरा भरने और बरसाती पानी रुकने की शिकायत नगरपालिका के सफाई दरोगा से की थी। इसके बाद सफाई कर्मी विशाल रामजी, शनि और कपिल कमला मौके पर पहुंचे और लोहे की सरिया से नाले की सफाई शुरू की।

सफाई के दौरान सरिया पास से गुजर रही बिजली की तार से टच हो गई। करंट लगते ही तीनों कर्मचारी उसकी चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद सफाई दरोगा दीपक बारी ने लकड़ी की मदद से तीनों को करंट से अलग किया और तुरंत उन्हें मैहर सिविल अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विशाल रामजी और शनि की हालत गंभीर है, जबकि कपिल कमला को मामूली चोटें आई हैं। अधिकारियों ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जिला अध्यक्ष को आदिवासी महिलाओं ने बांधी राखी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भाई बहन के पावन त्यौहार रक्षाबंधन की हर जगह धूम मची हुई है इसी संबंध में भारतीय जनता पार्टी के लोकप्रिय जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता को आदिवासी महिलाओं द्वारा रक्षाबंधन के उपलक्ष में राखी बांध करके रक्षाबंधन का पावन त्यौहार मनाया गया। इस पावन अवसर पर सुबह से भाजपा कार्यालय में महिलाओं की बड़ी भीड़ अपने भाई अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता के लिए बहनों की देखने को मिली। जहां लोकप्रिय जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता ने रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों को उपहार भेंट करते हुए कहा कि भाई और बहनों का यह पावन त्यौहार है इस त्यौहार में भाई बहन की कलाई में राखी बनती है और भाई अपनी बहन के लिए हमेशा रक्षा का वचन देता है और सदैव अपनी बहन की रक्षा करता है।

डी.के.नेशनल पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ जागरूकता कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना के तत्वावधान में इंजी.धर्मेंद्र सिंह परिहार द्वारा डी.के.नेशनल पब्लिक स्कूल सिद्धार्थ नगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंजी.धर्मेंद्र के साथ सभी ने संकल्प लिया कि, ना खुद गंदगी करेंगे ना दूसरों को करने देंगे। कार्यक्रम में विभिन्न चर्चाओं के उपरांत सभी ने अपने घरों में सब्जी एवं फल फूल के छिलकों से होम कंपोस्टिंग कर उससे खाद बनाने का निश्चय किया। सभी छात्र-छात्राओं ने मंत्र मुक्त होकर कार्यक्रम का लुफ्त उठाया। सभी ने स्वच्छता की शपथ ली तथा उपस्थित मतदाताओं ने मतदाता शपथ भी ली।

कार्यक्रम में खुशी लाल पटेल (डायरेक्टर), पुष्पा सिंह(प्राचार्य), पंकज सिंह, प्रेमा सिंह, प्रतिमा द्विवेदी, सुधा चतुर्वेदी, प्रतीक चतुर्वेदी, अंजली सिंह, प्रियंका चतुर्वेदी, अनुपम पांडे, शिवानी कोल, आकांक्षा सेन, आरती गुप्ता, रितिका पांडे तथा सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नशा मुक्त समाज, भ्रष्टाचार मुक्त समाज एवं अपराध मुक्त समाज की भी चर्चा हुई तथा स्वच्छ सतना लक्ष्य अपना,के जय घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भा,सिंधु सभा महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष का सतना में हुआ भव्य स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सिंधु सभा महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता भावनानी के सतना नगर आगमन पर संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी जी के नेतृत्व में भारतीय सिंधु सभा परिवार द्वारा स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी अध्यक्ष अशोक चांदवानी महामंत्री विनोद गेलानी मंत्री संजय वाधवानी रंजीत सेनानी मनीष सदानी प्रमुख रूप से शामिल रहे। संस्था के महामंत्री विनोद गेलानी ने बताया राष्ट्रीय अध्यक्ष विनीता भावनानी जी के मुख्य आतिथ्य एवं संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी की अध्यक्षता में 10 अगस्त रविवार को शाम 04 से 5:00 बजे तक अमर शहीद हेमू कालानी पार्क परिसर में मुख्य शाखा महिला शाखा एवं युवा शाखा की संयुक्त बैठक आयोजित की गई है। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष भावनानी का स्वागत सम्मान किया जाएगा एवं आगामी 24 अगस्त को आयोजित अखण्ड भारत सिंध स्मृति दिवस एवं सामाजिक प्रतिभा सम्मान पर विस्तार से विचार विमर्श किया जाएगा।

16 को सुंदरकांड से होगी मऊगंज महोत्सव की शुरुआत

जनहित में काम करने वालों का होगा सम्मान, कार्यक्रम में डिप्टी सीएम करेंगे शिरकत

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)।। जिले के गठन के दो वर्ष पूर्ण होने पर जिला विकास संघर्ष परिषद द्वारा 16 अगस्त 2025 को जिला महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम हनुमना नगर परिषद के अधीन प्राचीन हनुमान मंदिर प्रांगण में होगा।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल मुख्य अतिथि होंगे। रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं देवतालाब विधायक गिरीश गौतम तथा मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जिला विकास संघर्ष परिषद के संयोजक अधिवक्ता संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि समारोह में उपमुख्यमंत्री का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा। यह सम्मान मऊगंज जिला अस्पताल भवन के लिए स्वीकृत 40 करोड़ रुपए एवं अन्य विकास योजनाओं में पहल के लिए दिया जाएगा। अन्य अतिथियों का भी जनहित में किए गए कार्यों के लिए अभिनंदन होगा।

महोत्सव की शुरुआत सुबह 10:30 बजे सुंदरकांड से होगी। इसके बाद भजन और आरती का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 1 बजे से अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन समारोह शुरू होगा।

इस आयोजन के लिए 21 सदस्यीय समिति गठित की गई है। इसमें हनुमना, मऊगंज और नईगढ़ी तहसील के प्रमुख समाजसेवियों को शामिल किया गया है। समारोह के प्रभारी प्रो. रवी प्रताप द्विवेदी (सेवानिवृत्त प्राध्यापक) हैं। अनूप कुमार गुप्ता सह-प्रभारी, रामाधार पटेल संयोजक और विनय सिंह सेंगर सह-संयोजक नियुक्त किए गए हैं।

पत्रकार वार्ता में परिषद के वरिष्ठ सदस्य कर्दम ऋषि, वाई.एन. द्विवेदी, साहित्यकार रमेश पाण्डेय, सामाजिक कार्यकर्ता देवेन्द्र मिश्रा, पूर्व सरपंच पारसनाथ शुक्ला, अधिवक्ता संघ उपाध्यक्ष कृष्णेन्द्र तिवारी, सामाजिक कार्यकर्ता शशि कुमार शर्मा और अधिवक्ता रामायण प्रसाद चतुर्वेदी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।